केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 137 मंगलवार 10 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

जिसने जान बचायी उसी की जान ले लिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के सल्टौआ गोपालपुर के शिवम सोनी को जिस पिंटू अग्रहरी ने चाकू मारकर मौत के घाट उतार दिया। उसी पिन्टू के ऑपरेशन के लिए कभी शिवम ने चंदा मांगकर उसकी मदद की थी। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी पिंटू अग्रहरी का करीब दो वर्ष पहले मार्ग दुर्घटना में पैर टूट गया था। पैसे के अभाव में उसका इलाज नहीं हो पा रहा था। तब शिवम सोनी ने कुछ युवकों को साथ लेकर गांव में घर–घर चंदा मांगकर रुपया जुटाया था और पिन्टू के पैर का ऑपरेशन करवाया था। शिवम की मौत के गम में रविवार को गांव की सभी दुकाने बंद रहीं। मृतक शिवम के पिता रामसरन सोनी गांव–गांव जाकर फेरी करते है। तीन भाइयों व एक बहन में वह दूसरे नंबर पर था। बड़ा भाई शुभम सोनी (26) मुम्बई में रहकर मजदूरी करता है। शिवम घर पर रहकर परिवार का खर्चा चलाने के लिए जयमाल स्टेज व कैटर्स सहित डीजे चलाता था। छोटा भाई राज सोनी (19) पढ़ाई के साथ कामकाज में साथ रहकर उसका हाथ बंटाता था। छोटी बहन शिवांगी व मां कौशिल्या का रो–रोकर बुरा हाल था। मां बार–बार बेहोश हो जा रही थी। वहीं आरोपी पिन्टू गांव–गांव घूम कर समोसा बेचा करता था। पहले वह बड़ा पाव की दुकान लगाता था। पाव काटने में प्रयोग होने वाले छूरे से ही उसने शिवम के सीने में वार किया था, जिससे उसकी मौत हो गई।

ट्रक की टंकी से 300 लीटर डीजल की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया नगर पंचायत के बीआर इंटर कॉलेज के मैदान में गिट्टी लादकर खड़ी ट्रक की टंकी का लॉक तोड़कर 300 लीटर डीजल चोरी हो गया। ट्रक की केबिन में सो रहे चालक और खलासी को घटना की भनक तक नहीं लगी। सुबह जब ट्रक चालक और खलासी जागे तो टंकी का लॉक टूटा देख होश उड़ गए। मोबाइल से ट्रक मालिक को सूचित किया। पीड़ित ने घटना की लिखित तहरीर थाने पर दी। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बरहपुर कुंवर गांव निवासी अवनीश प्रताप सिंह हरैया में हाईवे किनारे नगर पंचायत कार्यालय के पास ट्रांसपोर्ट का कारोबार करते हैं। इनका एक ट्रक रविवार भोर में करीब चार बजे गिट्टी लादकर पहुंचा और कॉलेज के पास खड़ा कर दिया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेंद्र प्रताप सिंह के ऑर्डर पर गिट्टी आई थी। इस गिट्टी को उसी मैदान में गिराया जाना था। ट्रक चालक के साथ दूसरा सहकर्मी खड़े ट्रक के केबिन में सो रहे थे। रविवार सुबह जगे तो डीजल टैंक का लॉक टूटा था। मोबाइल से घटना की जानकारी ट्रांसपोर्टर अवनीश को दी। मौके पर पहुंचकर चालक से पूछताछ की तो पता चला कि करीब तीन सौ लीटर डीजल चोर निकाल ले गए हैं।

शराब पीने का पैसा न देने पर मारा पीटा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती। शराब पीने के लिए रुपया देने से मना करने पर मारपीट की घटना में वाल्टरगंज पुलिस ने केस दर्ज किया है। इसी थाने के गाऊखोर निवासी साकिर अली का आरोप है कि उनके बड़े भाई सलीम अली गौरा से ऑटो लेकर घर आ रहे थे। तभी गौर से आगे दो बाइक सवार लोगों ने जबरन उन्हें रोक लिया। जबरदस्ती शराब पीने के लिए पैसा मांगने लगे। पैसा देने से मना करने पर अपशब्द कहते हुए मारपीट व जानमाल की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी पिपराचंद्रपति निवासी संदीप, कुलदीप, मझौवा निवासी विकास व रमेश के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

केन्द्र सरकार ला सकती है 'एक देश, एक चुनाव' बिल

नई दिल्ली (आभा)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार मौजूदा संसद सत्र में ही 'एक देश, एक चुनाव' बिल पेश कर सकती है। सरकारी सूत्रों के हवाले से यह कहा गया है कि सरकार शीतकालीन सत्र में इस विधेयक को पेश करने की तैयारी में है। बता दें कि केंद्रीय कैबिनेट ने पहले ही एक देश, एक चुनाव पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद समिति की रिपोर्ट को मंज़ूरी दे रखी है।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है और विस्तृत चर्चा के लिए इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजना चाहती है।

सरकार से जुड़े सूत्र कह रहे हैं कि सरकार चाहती है कि रामनाथ कोविंद की अगुवाई वाली एक्सपर्ट कमेटी की 18,636 पन्नों की रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा हो। खबर है कि

सरकार ने केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, किरण रिजिजू और अर्जुनराम मेघवाल को विपक्षी नेताओं के साथ बैठकें कर आम राय बनाने को कहा है।

सूत्रों ने बताया कि जेपीसी सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से इस बिल पर विस्तार से चर्चा करेगी और इस प्रक्रिया में अन्य हितधारकों से भी बातचीत करेगी। सूत्रों ने बताया कि इस प्रक्रिया में देशभर के बुद्धिजीवियों के साथ–साथ सभी राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों को भी बुलाया जा सकता है। इसके अलावा आम लोगों की राय भी ली जा सकती है क्योंकि आम सहमति के बिना मौजूदा चुनावी व्यवस्था को बदलना बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

जानकार बताते हैं कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' योजना को लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करने के लिए कम से कम छह विधेयक लाने होंगे और इसके लिए सरकार को संसद में दो–तिहाई बहुमत की जरूरत पड़ेगी। फिलहाल, एनडीए के पास संसद के दोनों सदनों में साधारण बहुमत ही है। ऐसे में संसद के किसी भी सदन में दो–तिहाई बहुमत हासिल करना सरकार के लिए एक कठिन काम हो सकता है। राज्यसभा की 245 सीटों में से एनडीए के पास 112 और विपक्षी दलों के पास 85 सीटें हैं। दो–तिहाई बहुमत के लिए सरकार को कम से कम 164 वोटों की जरूरत है।

मां बेटी के हत्यारोपी अभी पुलिस की पकड़ से बाहर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के सेंठा में मां–बेटी की जघन्य हत्या की वारदात को अंजाम देने के अहम किरदारों तक पहुंचने में पुलिस नाकाम है, जबकि घटना के पांच दिन हो चुके हैं। वारदात के बाद से ही फरार आरोपितों को ट्रेस करना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। प्रकरण में अब तक नामजद महिला आरोपी शिल्पा उपाध्याय पत्नी राजेश उर्फ राजन उपाध्याय और शान्ति देवी पत्नी कमलेश उपाध्याय उर्फ बिलोहर को गिरफ्तार किया है। दोनों महिला आरोपितों से पूछताछ में भी पुलिस के हाथ कुछ ऐसा नहीं लग सका, जिससे उनके पति समेत अन्य आरोपितों तक पहुंचा जा सके।

सेंठा गांव की गोदावरी देवी (60) और उनकी छोटी बेटी सौम्या (22) की गला दबाकर हत्या के बाद दोनों के शवों को आग लगा दी गई थी। गत बुधवार को अधजला शव एक कमरे में तख्ते पर मिला था। सम्पत्ति विवाद को लेकर वारदात को अंजाम देने का आरोप मृतका के बेटों, देवर अन्य परिवारीजनों पर ही है। घटना के बाद से ही फरार आरोपितों का लोकेशन ट्रेस कर पाने में स्थानीय पुलिस के साथ स्वॉट, क्राइम, एसओजी व सर्विलांस की टीमें लगी हैं। पुलिस आरोपितों की लोकेशन ट्रैक करने के लिए जिले में उनके सभी संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

साथ ही पड़ोसी जनपदों में भी तलाश जारी है। लखनऊ और प्रयागराज भी पुलिस टीम ने डेरा डाल रखा है। लेकिन नामजद चार पुरुष आरोपितों में से एक तक भी पुलिस नहीं पहुंच सकी है। डबल मर्डर में सात नामजद समेत कुल नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें नामजद आरोपी कमलेश कुमार, करूणाकर उर्फ ललन, कौशलचन्द्र, राजन उर्फ राजेश और रंजना अब भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हत्या कर शवों को आग लगाने की बात तो सामने आ गई, लेकिन वारदात के घटनाक्रम का अभी तक पुलिस खुलासा नहीं कर सकी है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी होने के बाद ही पूरी घटना को कैसे अंजाम दिया गया, यह सामने आ सकेगा।

उत्पीड़न, धमकी के मामले में अदालत ने दिया मुकदमा दर्ज करने का आदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जे.एम./एफ.टी.सी. (सी.ए.डब्लू) ने थानाध्यक्ष हरैया को निर्देश दिया है कि मनिकपुर निवासिनी जुलेखा को हमीद द्वारा खेत में कार्य करते समय छेड़छाड़ करने, उसके गूंगे बहरे पति के विरोध करने पर मारने पीटने, चाकू निकालकर धमकी देने के मामले में मुकदमा दर्ज कर आगामी 4 जनवरी 2025 तक न्यायालय के समक्ष दाखिल करने का आदेश दिया है।

जुलेखा ने दोषी के विरूद्ध कार्रवाई के लिये हरैया थाने पर सूचना दिया था और कोई कार्रवाई न होने पर पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र दिया था। इसके बावजूद जब कोई कार्रवाई नही हुई तो उसने न्यायालय की शरण लिया।

सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया सोनिया गांधी का जन्म दिन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, कांग्रेस पार्टी की पूर्व चेयरपर्सन सोनिया गांधी का 78 वां जन्मदिन देशभर में सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया। बस्ती में जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' के आवाह्न पर जिला अस्पताल पहुंचकर उनके साथी पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बृजेश कुमार आर्या, सर्वेश शुक्ल, अंकित कुमार, राजेश कुमार भारती आदि ने रक्तदान किया। जिलाध्यक्ष ने कहा सोनिया गांधी का जन्मदिन उल्लासपूर्वक मनाया जा रहा है। वे त्याग, समर्पण, साहस, गरिमा और शालीनता की प्रतीक हैं।

उन्होने विपरीत परिस्थितयों में भी जिस प्रकार धैर्य बनाकर रखा, वैसा भारत की राजनीति में दूसरा उदाहरण नही मिलता। उन्होने भारत को समझने, भारत की तरक्की, आपसी भाईचारा व एकता अखण्डता के लिये बहुत कुछ खोया है। राजनीति को अवसर समझने वाले नेताओं को उनसे सबक लेनी चाहिये। वह चाहती तो उच्च पदों पर आसीन होकर हर सुख सुविधा का लाभ ले सकती थीं। लेकिन ऐसा न करके उन्होने दूसरों को अवसर देकर अपने विराट व्यक्तित्व का परिचय दिया। वरिष्ठ कांग्रेसी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा सोनिया गांधी राजीव गांधी से प्रभावित होकर भारत आईं और यहां के माहौल और सभ्यता में पूरी तरह ढल गईं। उन्होने विस्तारवादी सोच के साथ हमेशा देश की एकता अखण्डता, भाईचारा व धर्मनिरपेक्षता को प्रोत्साहित किया। रक्तदान के अवसर पर मो. रफीक खां, कौशल त्रिपाठी, अशोक श्रीवास्तव, शौकत अली, अवधेश सिंह, डा. आलोक वर्मा, अंकित कुमार, डीएन शास्त्री आदि मौजूद रहे।

संजय मल्होत्रा होंगे रिजर्व बैंक के गवर्नर

नई दिल्ली (आभा)। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा भारतीय रिजर्व बैंक के नए गवर्नर होंगे। वे वर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह लेंगे। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 1990 बैच के आईएएस अधिकारी और वर्तमान में राजस्व विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत संजय मल्होत्रा को गवर्नर के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।

उनका कार्यकाल तीन वर्षों का होगा। यह कार्यकाल 11 दिसंबर, 2024 से प्रभावी होगा। वह शक्तिकांत दास का स्थान लेंगे, जिन्होंने आरबीआई गवर्नर के रूप में दो कार्यकाल पूरे कर लिए हैं।

विद्यार्थियों को दिए सफलता के टिप्स

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी स्थित अशोक इंटर कॉलेज के परिसर में सफलता की कुंजी अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन हरैया विधायक अजय सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर जिला अधिकारी प्रतिपाल चौहान और अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बच्चों को संबोधित करते हुए एडीएम ने कहा कि असफलता में ही हमें सफलता की कुंजी मिलती है। जब हम असफल होते हैं तब हम अपनी कमियां जान पाते हैं और पहले से ज्यादा मेहनत करके सफलता प्राप्त करते हैं। असफलता से निराश ना हो बल्कि इसे सीखने का मौका समझें। अपने मित्रों के साथ ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से विषय वस्तु की गहन तैयारी करें। विधायक ने कहा कि सफलता

के लिए लक्ष्य और आदतें दोनों ही जरूरी हैं। लक्ष्य से दिशा मिलती है और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। वहीं, अच्छी आदतें मानसिक अनुशासन बनाती हैं और लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करती हैं। छावनी थाना प्रभारी विजय दूबे, प्रबंधक प्रतिनिधि कौशल किशोर सिंह, प्रधानाचार्य विजयसेन सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर सरोज मिश्र, अर्जुन सिंह, भरत सिंह, निर्मल सिंह, रवीश पाण्डेय, सुरेंद्र कुमार शुक्ल, भीमरत्न, जितेंद्र मिश्र, घनश्याम मिश्र, बृजेश कुमार, इंदल कुमार, विनय सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

–असफलता में हमें सफलता की कुंजी मिलती है – प्रतिपाल

सोनिया गांधी के जन्मदिन पर किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के 78वें जन्म दिवस पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बसन्त चौधरी के निर्देशन में ब्लाक रोड स्थित लाइफ लाइन ब्लड बैंक पर बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया।

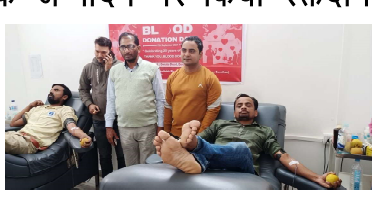

वरिष्ठ कांग्रेस नेता बसन्त चौधरी ने कहा कि सोनिया गांधी 1968 में भारत आईं और इंदिरा गांधी की लाडली बहू के रूप में पहचानी गईं राजीव गांधी की हत्या के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा। 1998 में कांग्रेस अध्यक्ष बनीं और 2004 में यूपीए सरकार का नेतृत्व किया। विदेशी मूल पर विवाद के कारण उन्होंने प्रधानमंत्री पद नहीं अपनाया और डॉ. मनमोहन सिंह को नामित किया। 2017 में राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाया और 2022 में मल्लिकार्जुन खरगे को पार्टी का नेतृत्व सौंपा।

श्री चौधरी ने कहा कि सोनिया गांधी के सार्वजनिक जीवन में समर्पण ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है वंचित लोगों के अधिकारों के लिए खड़ी होकर उन्होंने साहस और गरिमा के साथ हर चुनौती का सामना किया है। उनकी सेवा ने समाज को हमेशा सही दिशा दिया है।

डा.अजीज आलम ने कहा कि श्रीमती गांधी के त्याग एवं बलिदान से हमें प्रेरणा लेने की जरूरत है उनकी दूर दृष्टि और नेतृत्व आने वाली पीढ़ियो को प्रेरित करता रहेगा।

बताया कि रक्तदान शिविर का यह उद्देश्य है कि जरूरतमंद लोगो के लिए रक्त एकत्रित किया जिसे किसी भी व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर समय से उपलब्ध कराया जा सके। रक्तदान शिविर मुख्य रूप से डॉ अजीज आलम, सुनील, मनोज चौधरी अश्वनी उपाध्याय, पलक श्रीवास्तव, अभिषेक विजय सूर्य प्रकाश चौधरी मोहम्मद इद्रीश, मोहम्मद इस्लाम, सर्वेश, सुनील कुमार, संतोष, सूर्यदेव, नंदकुमार, दीपक, कमलेश, अंकित, अशोक, सुधीर आदि मौजूद रहे।

डा. अजीत कृत गजल संग्रह "शब्दों को जोड़ जोड़ के" का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । प्रेस क्लब सभागार में वरिष्ठ कवि डा. अजीत कुमार श्रीवास्तव 'राज' कृत गजल संग्रह "शब्दों को जोड़ जोड़ के" का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर अनेक वरिष्ठ रचनाकारों ने अपनी रचनायें पढ़ी और गजल संग्रह की समीक्षा की। कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय ने किया। डा. अजीत श्रीवास्तव ने "शब्दों को जोड़ जोड़ के" को सम्मानित पाठकों के बीच लाने में मिले सहयोग व अपनी गजल यात्रा पर विस्तार से अपने अनुभव साझा किये।

डा. अजीत ने सलीम बस्तवी व हरीश दरवेश को अपना प्रेरणास्रोत बताया। अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर रघुवंश मणि ने कहा कि गज़ल लिखना कठिन कार्य है, किंतु अजीत श्रीवास्तव ने यह जोखिम उठाया है। उन्होंने अरबी फारसी को संदर्भित करते हुये हिंदी गज़ल की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अजीत की अधिकांश गज़लें रोमान और यथार्थ के टकराव का नतीजा है तथा गज़ल संग्रह के कुछ गज़लों का उद्धरण देकर इस पुस्तक की सार्थकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने अजीत श्रीवास्तव की कविता को संभावना से परिपूर्ण बताया।

मुख्य अतिथि साहित्य भूषण डॉ राम नरेश सिंह 'मंजुल' ने कहा यह रचना गज़ल की कसौटी को परिभाषित करती है। गज़लकार की पहली शर्त भोगकर लिखना है, वह अजीत गज़ल में देखने को मिलता है। उनका दर्द कल्पना नहीं बल्कि यथार्थ का है। विशिष्ट अतिथि डॉ मुकेश मिश्र ने कहा अजीत के गज़लों में एहसास, संवेदना, प्रेम का भाव भरा पड़ा है। उनकी गज़ल एक लिटमस पेपर की तरह है जिस पर प्रयोग करना जोखिम भरा है। "शब्दों को जोड़ जोड़ के" वर्तमान और भविष्य के बहुत से संदर्भों को समसमायिक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास है जिसमें उन्हें सफलता मिली है।

विशिष्ट अतिथि हरीश दरवेश ने कहा कि अजीत का गजल संग्रह पढ़कर लगा कि गज़ल पर आज भी बहुत काम हो रहा है। उन्होंने अपनी गज़लों में अपने तमाम अनुभवों को बड़े सलीके से प्रस्तुत किया है। इनके अन्दर का शायर समाज को भी बहुत अंदर तक देखता है। विशिष्ट अतिथि डॉ वी के वर्मा ने कहां की किसी भी रचनाकार के जीवन में वह दिन सबसे प्रसन्नता का दिन होता है जब उसकी किसी सचना संग्रहित होकर एक पुस्तक का रूप लेती है। 'शब्दों को जोड़ जोड़ के' काव्य की कसौटी पर न केवल खरी उतरता है बल्कि उन्हें हिंदी काव्य के जिस आसन पर बैठती है वह तक पहुंचने के लिए बड़े–बड़े रचनाकार को लोहा लेना पड़ता है।

श्याम प्रकाश शर्मा, चंद्र बली मिश्र, बी एन शुक्ल, डॉ राम कृष्ण लाल जगमग, तौआब अली, परमानंद श्रीवास्तव, डॉ राजेन्द्र सिंह राही, आदि ने अपने वक्तव्य दिये। कार्यक्रम में प्रमोद श्रीवास्तव,, डीएस लाल श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, सिंह प्रेमी, शाद अहमद शाद, आदित्य राज, सागर गोरखपुरी, राधेश्याम श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, रामसजन यादव, रत्नेन्द्र पाण्डेय, अनूप श्रीवास्तव, हरिकेश प्रजापति, संदीप शुक्ल, संदीप गोयल, सर्वेश श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव, लवकुश सिंह, मयंक श्रीवास्तव, अफजल हुसैन अफजल आदि गणमान्य शामिल रहे।

धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी

नई दिल्ली (आभा)। विपक्षी इण्डिया गठबंधन की ओर से राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। कांग्रेस ने यह प्रस्ताव लाने की पेशकश की है, जिसका समर्थन इण्डिया अलायंस के अन्य दल भी कर सकते हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि राज्यसभा के चेयरमैन के तौर पर जगदीप धनखड़ पक्षपात कर रहे हैं। वह विपक्षी दलों के सांसदों को मौका नहीं देते और उन्हें अनसुना किया जाता है। ममता बनर्जी की टीएमसी, अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है।

विपक्षी दल संविधान के अनुच्छेद 67(B) के तहत इस प्रस्ताव को लाने वाले हैं। बता दें कि सोमवार को भी संसद के दोनों सदनों में कामकाज प्रभावित रहा। राज्यसभा में भी रुक–रुक कर हंगामा होता रहा और कई बार सदन को ठप करने के बाद अंत में पूरे दिन के लिए ही कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इस दौरान जगदीप धनखड़ ने

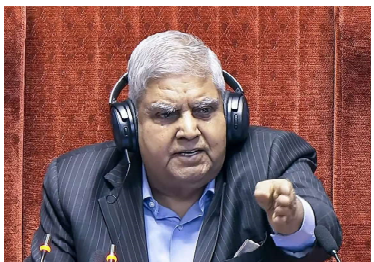

विपक्षी सांसदों के रुख पर दुख भी जताया और कहा कि ये लोग कामकाज बाधित कर रहे हैं और लोकतंत्र के मंदिर में चर्चा से बच रहे हैं।

राज्यसभा में सोमवार को सत्ता पक्ष एवं विपक्ष ने अलग–अलग मुद्दों पर भारी हंगामा किया, जिसके कारण उच्च सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न करीब तीन बजकर दस मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। एनडीए के सांसदों ने कांग्रेस तथा उसके नेताओं पर विदेशी संगठनों और लोगों के माध्यम से देश की सरकार तथा अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की कोशिश का आरोप लगाया।

उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। वहीं कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने अडानी समूह से जुड़ा मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। तीन बार के स्थगन के बाद दोपहर तीन बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा और विपक्षी सदस्यों ने अडानी समूह से जुड़ा मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष के कुछ सदस्य अपनी सीट से आगे आ गए।

हंगामे के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उनके कक्ष में सदन के नेता जेपी नड्डा और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ उनकी बैठक हुई। उन्होंने कहा, 'बैठक का उद्देश्य सदन में निर्बाध कामकाज सुनिश्चित करना था। दोनों पक्षों ने खुलकर चर्चा की और संकेत दिया कि राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता हमारे लिए पवित्र है।'

धनखड़ ने कहा कि नेताओं ने मंगलवार को सुबह 10.30 बजे फिर से उनके कक्ष में मिलने पर सहमति जताई है। इसके बाद उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि वे संविधान की शपथ पर सावधानीपूर्वक विचार करें ताकि राष्ट्र की अखंडता प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जा सके।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 दिसम्बर 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

मौसम से जूझते गरीब

भारत एक ऐसा देश है, जहॉं प्रायः गरीब–गुरबे लोग ठंड से मरते हैं और गर्मी तथा बारिश से भी। जो मौसम एक वर्ग के लिए सुहाना होता है, वही दूसरे के लिए जानलेवा बन जाता है। कोई भी ऋतु हो, जब भी मौसम का चरम नजर आता है गरीब को इससे मार खानी पड़ती है। जब ठंड आती है तो शीतलहर से गरीब मरता है। बारिश होती है तो निचले इलाके में रहने वाले गरीब बाढ़ का शिकार होते हैं। गर्मी होती है तो वे लू से मारे जाते हैं। साधनविहीन लोग ही मौसम के चरम का शिकार होते हैं। कायदे से मौसम नहीं, गरीबी मारती है। लेकिन सवाल उठता है कि जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्या सत्ताधीशों का दायित्व नहीं बनता कि वे राजनीतिक तमाशों से इतर अपनी जनता का ध्यान रखें? एक समय था कि राजा–महाराजा अपनी प्रजा का खुद ख्याल रखते थे। चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था होती थी। संवेदनशील राजा बाकायदा वेष बदलकर प्रजा के दुख–दर्द जानने निकलते थे। लेकिन ज्यों–ज्यों लोकतंत्र शिक्षित–विकसित होता गया, सत्ताधीशों की संवदेनशीलता कुंद होती चली गई। तभी शीत ऋतु की दस्तक के साथ ही अदालतों को सरकारों को अपना मूलभूत दायित्व याद दिलाना पड़ता है। बीते वीरवार को भी देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली के शहरी आश्रय बोर्ड यानी डीएएसआईबी को तलब किया कि दिल्ली में फिलहाल कितने आश्रयगृह हैं और वहां कितने लोगों को ठहराया जा सकता है। साथ ही आंकड़ा देने को कहा कि कितने लोग ऐसे हैं जिन्हें आश्रय की जरूरत है। निश्चित रूप से कड़ाके की ठंड में बीमार, लावारिस और मानसिक रूप से परेशान लोगों को संरक्षण देना प्रथम मानवीय कर्तव्य है।

वैसे, अदालत की यह बात तो दिल्ली को लेकर है, लेकिन ऐसे प्रयास पूरे देश में होने चाहिए। कहने को तो राज्यों में स्थानीय निकाय भी रैन बसेरे तैयार करते हैं। लेकिन वे न तो पर्याप्त होते हैं और न ही उनमें पूरी सुविधाएं होती है। रैन बसेरे बना भी लिए जाएं तो वहां सफाई का खास ध्यान नहीं रखा जाता। नशेड़ियों और अपराधियों की सक्रियता से बेसहारा लोग यहां आने से कतराते हैं। निश्चित रूप से रेन बसेरे बनाया जाना सार्थक कदम है, लेकिन उनमें सुविधाओं, सुरक्षा और सफाई को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाना चाहिए। इन्हें गंदगी, अराजकता व असुरक्षा से बचाने के लिये स्वयं सेवी संगठनों की सक्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कायदे से ये दायित्व सरकारी एजेंसियों का होना चाहिए, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आता। दरअसल, केंद्र व राज्य सरकारों को निराश्रित लोगों के लिए मौसम के चरम आने पर एक स्थायी ढांचा उपलब्ध कराना चाहिए। जिसे तुरत–फुरत तैयार करके बेसहारा लोगों के लिये उपलब्ध कराया जाए। यूं तो देश में सामाजिक, व धार्मिक संगठन भी रेन बसेरा बनाते हैं,लेकिन यह सिर्फ खबरों की सुर्खियों में आने का जरिया मात्र नहीं होना चाहिए। यह सही मायनों में बेघरों का आश्रय होना चाहिए। साथ ही इनकी सुविधाओं की निगरानी निरंतर होनी चाहिए। दरअसल, इनके उद्घाटन समारोहों का जिस जोर–शोर से प्रचार किया जाता है, वैसा ध्यान इनके निरंतर सुचारु रूप से संचालन में नहीं होता। आज हर घर में ठंड से बचाव का अतिरिक्त सामान होता है। ऐसे ही हर व्यक्ति को मानवता के नाते जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

पहले भी लोग सर्दियों का मुकाबला करते ही थे। कोई सेठ कंबल बांट देता था, कोई लंगर खोल देता था। सामान्य जन अपने आसपास के दो–चार मजलूमों की मदद कर देते थे। वह जज्बा आज भी नजर आता है, लेकिन सरकार और समाज के स्तर पर या तो कोई संगठित प्रयास नहीं होते या होते हैं तो वे बेहद नाकाफी साबित होते हैं। दरअसल ठंड से ज्यादा यह मामला गरीबी का है, जो कभी मौसम की मार के रूप में मौत का कारण बनती है तो कभी भूख और कुपोषण के रूप में।

धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत और कूटनीति

–ज्योति मल्होत्रा–

विदेश मामलों पर सलाह करने के वास्ते विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिसरी का बांग्लादेश की यात्रा पर जाना सही वक्त पर है। बांग्लादेश द्वारा इस्कॉन से जुड़े हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास को कथित देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार करना और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विवादित टिप्पणियों के परिप्रेक्ष्य में, जब वे मुगल सुल्तान बाबर द्वारा अयोध्या, संभल और आज के बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ने के पीछे की वजह 'एक ही डीएनए' होना ठहरा रहे हैं, यह कहना उचित होगा कि एक–दूसरे के सांप्रदायिक उन्माद का पोषण करने वाले कीटाणु भारत और बांग्लादेश, दोनों जगह, कुछ हिस्सों में जीवित और अच्छे–खासे मौजूद हैं।

आदित्यनाथ की टिप्पणी जरा भी अनोखी नहीं है। आरएसएस ने हाल ही में भारत की सरकार से आह्वान किया था कि वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को रुकवाए, जबकि पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने तो यहां तक धमकी दे डाली कि यदि मुहम्मद यूनुस की सरकार हिंदुओं पर हमला करना बंद नहीं करती है तो व्यापारिक प्रतिबंध लगा दिए जाएं।

ऐसी टिप्पणी करने वाले आदित्यनाथ भाजपा के पहले बड़े नेता नहीं हैं। साल 2018 में, तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह ने भारत में बांग्लादेशी प्रवासियों को 'दीमक' ठहराया था और वादा किया था कि उनमें से प्रत्येक का नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। यह बात अलग है कि खुद असम सरकार ने अगस्त माह में स्वीकार किया है कि 1971 और 2014 के बीच असम में रह रहे 'विदेशियों' में 43 प्रतिशत (20,613ध्47,928) वास्तव में हिंदू हैं।

शाह की अकूटनीतिक टिप्पणी शायद पूरी तरह से दीर्घकालीन ध्येय की प्राप्ति के वास्ते थी और यह प्रमाण है रणनीतिक असंवेदनशीलता के साथ हिंदुत्व की राजनीति के अस्वस्थ घालमेल का, खासकर जब मामला भारत के सबसे महत्वपूर्ण पड़ोस का हो। उस समय, विदेश मंत्रालय ने अपनी चुप्पी साधे रखी, लेकिन तत्कालीन बांग्लादेशी प्रधान मंत्री शेख हसीना को यह समझाने में बहुत मशक्कत करनी पड़ी कि उन्हें किसी राजनेता की टिप्पणियों को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेना चाहिए।

उस समय, प्रधानमंत्री मोदी अपने पूर्वी पड़ोसियों के साथ भारत के संबंध सुधारने में पूरी तरह से जुटे हुए थे– और शाह की टिप्पणियों ने इसे करारा झटका दिया। मोदी भली भांति समझते हैं कि किसी अन्य राष्ट्र के मुकाबले बांग्लादेश निश्चित रूप से बहुत महत्वपूर्ण है, इतना कि उसे किसी भी समय हल्के में नहीं लिया जा सकता। यही कारण है कि मिसरी की ढाका यात्रा इतनी महत्वपूर्ण बन गई है। अगस्त की शुरुआत में, जब से हसीना जान बचाकर दिल्ली पहुंची हैं, तब से द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट आई है। कई मुद्दों पर दोनों मुल्कों में ठनी हुई है, जिसमें एक यह भी शामिल है कि तथाकथित क्रांति को हिंसा के चरम पर क्यों पहुंचने दिया गया, जिसकी नाटकीय परिणति हसीना के फ्लाइट लेकर सुरक्षित देश से बाहर निकलने के रूप में हुई। उधर, बांग्लादेश का मानना है कि भारत जानबूझकर देश की अधोगति में हसीना की प्रमुख भूमिका को समझने से इंकार कर रहा है, इधर भारत यह समझने में असमर्थ है कि बांग्लादेश आज जानबूझकर मुजीब–उर–रहमान जैसी महान शख्सियत की स्मृति को क्यों मिटाना चाहता है और उन्हें इतिहास के अपमानजनक कूड़ेदान के हवाले करने में क्यों लगा है।

बेशक, समस्या कहीं अधिक जटिल है। इस मामले में जब बांग्लादेश द्वारा आदित्यनाथ और शाह को सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता के रूप में देखा जाए, और जब भारत सरकार सार्वजनिक रूप से इनकी निंदा करने से इनकार कर दे या निजी तौर पर उन्हें ऐसे बयान देने से परहेज करने के लिए न कहे, तो रार बढ़नी स्वाभाविक है और अकसर खुद–ब–खुद यह और गहरी होती जाती है।

बदतर यह कि भारतीय राजनेता अपने बांग्लादेशी समकक्षों पर वही करने का आरोप लगा रहे हैं जो वे खुद अक्सर अपने देश में करते हैं दृ उदाहरण के लिए, आदित्यनाथ के 'बुलडोजर न्याय' का मतलब अधिकांशतः यह निकलता है कि हिंदुओं के घरों की तुलना में मुसलमानों के मकानों को ज्यादा अनुपात में ढहाना दृ या जब भारतीय राजनेता खुलेआम शेष विवादित पूजा स्थलों की तथाकथित 'वापसी' का आह्वान करते हैं, उदाहरणार्थ, वाराणसी और मथुरा में, भले ही यह करना पूजा स्थल अधिनियम, 1991 का उल्लंघन हो, ऐसे काम बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में सांप्रदायिक राजनीति को मंजूरी देने जैसे हैं।

धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के तौर पर भारत और बाकी पड़ोसी मुल्कों के बीच का अंतर दशकों से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था– वास्तव में, पास–पड़ोस भी अक्सर भारत की लोकतांत्रिक संवेदनशीलता को एक आदर्श के रूप में लेता रहा है। अब कौन यह मानेगा कि तमाम विभिन्न राजनीतिक धारा के भारतीयों ने कभी अपने अल्पसंख्यकों से प्रतिशोध न लिया हो या इन अल्पसंख्यकों को न्याय से वंचित न किया हो, जबकि अक्सर लंबे समय तक दृ कांग्रेस और भाजपा, दोनों पर ही, दंगे भड़काने के दोष लगते रहे हैं। अंतर यह है कि भारत की न्यायपालिका ने ज्यादातर सत्ता को आईना दिखाया है। लोकतंत्र सिर्फ एक शब्द भर से अधिक रहा।

यहां तक कि जब कभी समझौता काफी बढ़िया ढंग से सिरे चढ़ा, जैसा कि राम जन्मभूमि विवाद में हुआ, और 2019 में सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता से बने फैसले से यह विवाद समाप्त हुआ दृ जिसमें मुस्लिम पक्ष ने गर्भगृह की अचल संपत्ति पर अपना दावा छोड़ दिया, जिस पर एक समय 1529 में राम मंदिर को गिराकर उस पर बाबर के एक सेनापति ने बाबरी मस्जिद का निर्माण करवाया था दृ तो उम्मीद थी कि हिंदू पक्ष इस पर अपनी छाती नहीं ठोकेगा और जीत का बखान नहीं करेगा।

बेशक ऐसा नहीं हुआ। राम मंदिर को वापस पाकर संतुष्ट होने के बजाय, आक्रामक हुए हिंदू मुकदमेबाजों ने ज्ञानवापी मस्जिद से लेकर कृष्ण जन्मभूमि से लेकर संभल की मस्जिद तक, ज्यादा से ज्यादा धर्मस्थलों को लक्ष्य बनाना शुरू कर दिया है। ऐसा लगता है कि वे इतिहास के उस अन्याय का बदला लेने के लिए तरस रहे हैं, भले ही उन्हें उसका कोई प्रत्यक्ष अनुभव न हुआ हो। कल्पना करें कि बांग्लादेश में यही खेल कैसे खेला जाएगा, जो पहले से ही निरंकुश हसीना को भारत द्वारा पनाह दिए जाने पर गुस्से से उबल रहा है। बांग्लादेशी मीडिया इस आरोप को खारिज करता है कि यूनुस सरकार अपने देश में अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही है, लेकिन यह स्पष्ट है कि बिजली इस्कॉन साधु पर गिरी है। उसकी छवि के चलते उसे बलि का बकरा बनाना आसान हुआ।

यह भी विचार करें कि भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति अपनी ही सरकार की विदेश नीति को क्या नुकसान पहुंचा रही है दृ निश्चित रूप से न केवल यह भारत की स्थिति को कमजोर करती है बल्कि मोदी की भी, जाहिर है वे अपने तीसरे कार्यकाल में अपनी एक छाप, यहां तक कि एक विरासत छोड़ना चाहेंगे। विडंबना यह है कि कुछ अन्य मामलों में मोदी अपनी स्थिति अच्छी तरह बना पाए, जब उन्होंने बाइडेन द्वारा रूस पर लगाए प्रतिबंधों के मामले में भारत के रुख को अडिग बनाए रखा, और अब ट्रम्प से निपटने की तैयारी कर रहे हैं। चीन के मामले में वे अपना निजी अहंकार छोड़ने को तैयार हुए और पड़ोस को स्थिर करने के प्रयास में उन्होंने तालिबान तक से संपर्क साधा है।

और एक बांग्लादेश है दृ एक ऐसा देश जिसका जन्म भारत की मदद से 1971 में हुआ था और उसे अपनी पहचान पाने में सहायता की। यह सचमुच दुखद होगा यदि भारत आज बांग्लादेश को खो दे, क्योंकि कुछ अदूरदर्शी भारतीय हमारे युग के सबसे महान विचारों में से एक दृ धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत –के साथ जल्दबाजी में खिलवाड़ करने पर आमादा हैं।

–लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

रोजगार आंकड़ों के पीछे छिपे अंधेरे

–सुरेश सेठ–

आम लोग जिन मूल समस्याओं से दशकों से जूझ रहे हैं, उनके समाधान का संकल्प नेताओं द्वारा बार–बार लिया जाता है। बावजूद इसके, समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। भ्रष्टाचार को शून्य स्तर पर लाने की बात केंद्र हो या राज्य सरकार, इसे अपनी प्राथमिकता बताता है। फिर भी, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के प्रयास विफल साबित हुए हैं। देश में भूख मिटाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन दुनिया के हंगर इंडेक्स में हमारा दर्जा अभी भी निचले पायदान पर है। सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। लेकिन रोजगार के नाम पर उनके सामने केवल अनुकंपों का ही बोझ लादा जाता है। लेकिन रोजगार की गारंटी उनके लिए अनुपलब्ध रहती है।

आज छात्रों को जो शिक्षा शिक्षण संस्थानों से प्राप्त होती है, वह आज के डिजिटल और कृत्रिम मेधा के युग में पूरी तरह से असंबद्ध प्रतीत होती है। उनकी डिग्रियां नई तकनीक और डिजिटल श्रेणियों के सामने कोई मूल्य नहीं रखतीं। जहां कृत्रिम मेधा और इंटरनेट जैसी नई तकनीकों के कारण नौकरियां उत्पन्न हो रही हैं, वहां हमारे नौजवानों के पास उचित शिक्षण और प्रशिक्षण की कमी है।

इसके परिणामस्वरूप, छोटी नौकरियों के लिए भी हजारों पढ़े–लिखे युवा अपनी पुरानी डिग्रियों को बेकार पाते हैं। नौकरी के लिए भेजे गए उनके आवेदन पत्रों का कोई सार्थक उत्तर नहीं मिलता। दूसरी ओर, बदलती दुनिया में रोबोट तकनीक, इंटरनेट की नई उड़ान और कृत्रिम मेधा का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। लेकिन इन बदलावों के लिए हमारे नौजवान योग्य नहीं हैं, क्योंकि उन्हें इस नई तकनीकी दुनिया के अनुकूल शिक्षण और प्रशिक्षण नहीं दिया गया।

संसद के शीतकालीन सत्र की परिणति भी पूर्ववर्ती सत्रों जैसी ही प्रतीत होती हैकृविपक्ष के हंगामे और कोलाहल के बीच उनकी मांगों को नजरअंदाज कर काम न चलने देने के आरोप लग रहे हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ऐसा द्वंद्व युद्ध, जिसमें कुछ भी सार्थक नहीं होता। हर सत्र में यह स्थिति दोहराई जाती है। कोई यह सवाल नहीं उठाता कि बेरोजगारी को समाप्त किया जाए, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जाए या लालफीताशाही और दफ्तरी जटिलताओं से आम आदमी को राहत दी जाए। आम आदमी वैश्विक खुशहाली के पायदान पर बहुत निचले दर्जे में दर्ज है। हालांकि, सरकारी आंकड़े इसका उल्टा बताते हैं। सरकारी दावे हैं कि बेरोजगारी की दर लगातार कम हो रही है। लेकिन ये आंकड़े वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।

सरकारों द्वारा निर्धारित रोजगार के मानकों से वास्तविक बेरोजगारी के आंकड़े प्रभावित होते हैं। यही वजह है कि नौकरी की तलाश के लिए कई बार सरकारी रियायतें और अनुकंपा योजनाओं का सहारा लिया जाता है। इसका परिणाम यह हुआ है कि धीरे–धीरे देश में शॉर्टकट और मुफ्तखोरी की संस्कृति पनपने लगी है।

सरकार का दावा है कि रोजगार कार्यालयों की खिड़कियों पर नौकरी मांगने वालों की संख्या घट गई है, जिसका अर्थ यह है कि बेरोजगारी की समस्या किसी हद तक कम हुई है। नौकरी मांगने वालों की संख्या भले ही घट गई हो, लेकिन रियायत बांटने वाले केंद्रों पर उनकी संख्या बढ़ गई है। वहां इनकी कतारें लगातार लंबी होती जा रही हैं।

चुनावों के दौरान सत्तारूढ़ दल हो या विपक्ष, उनके घोषणापत्रों में सबसे बड़ा मुद्दा यह होता है कि कौन अधिक से अधिक अनुकंपा योजनाएं ला सकता है। बेरोजागरी के आंकड़ों के बीच पूरे देश में कई सरकारी पद खाली पड़े हैं। इन पदों को भर्ती परीक्षाओं के माध्यम से भरा जाता है। परंतु भर्ती परीक्षाओं की स्थिति भी चिंता का विषय है। पेपर लीक और परीक्षार्थियों की शिकायतें संकेत करती हैं कि योग्यता का सही मूल्यांकन नहीं हो पाता। आंकड़े बताते हैं कि पिछले छह वर्षों में 18 राज्यों में 60 से अधिक भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए।

अब देश में गिग अर्थव्यवस्था का भी सूत्रपात हो रहा है। इसमें किसी विशेष कार्य के लिए अस्थायी कर्मचारियों की भर्ती की जाती है, जिन्हें कुछ समय बाद नौकरी से निकाल दिया जाता है। वहीं वर्क फ्रॉम होम स्वरोजगार को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। हालांकि, यह भी सच है कि ऐसे स्वरोजगार करने वाले लोगों की संख्या सीमित है।

निजी क्षेत्र में नौकरी करने वाले कर्मचारी वेतन और अन्य सुविधाओं के मामले में बहुत दयनीय स्थिति में हैं। देश की आधी महिलाएं घरेलू कार्यों में लगी हुई हैं, और कई नौजवान पुश्तैनी खेती में ही अपना समय बिता रहे हैं। लेकिन उन्हें कोई अतिरिक्त वेतन नहीं मिलता। देश में करीब 58 प्रतिशत लोग स्वरोजगार या छुपे बेरोजगार हैं, जबकि नौकरीपेशा केवल 22 प्रतिशत हैं।

इस प्रकार, देश में बेरोजगारी की समस्या का सही समझना और समाधान करना बहुत कठिन है।

नये मोड़ पर इण्डिया गठबंधन और राहुल गांधी

– संतोष पाठक–

दरअसल, इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अब अपने अस्तित्व का डर सताने लगा है। उनके मन में यह बात बैठती जा रही है कि राहुल गांधी लड़ नहीं पाते हैं। राहुल गांधी न तो पीएम नरेंद्र मोदी से लड़ पा रहे हैं और ना ही साये की तरह अपने साथ चलने वाले उन कांग्रेस नेताओं से लड़ पा रहे हैं जो उन्हें अनाप–शनाप सलाह देते रहते हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों द्वारा बनाया गया इंडिया गठबंधन अब बिखरता हुआ नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी की पार्टी भाजपा का रथ 240 पर रोकने से उत्साहित विपक्षी दल के नेता ही नहीं बल्कि उनके नेता और कार्यकर्ताओं तक को लगने लगा था कि यह सरकार अब पहले की तरह अड़ कर काम नहीं पाएगी। लेकिन हर गुजरते महीने के साथ ही विपक्षी नेताओं का यह भ्रम टूटता हुआ सा नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत दिलाकर राहुल गांधी ने अपने नेतृत्व को जिस अंदाज में स्थापित करने की शुरुआत की थी, वह विश्वास भी अब दरकता हुआ नजर आ रहा है। राहुल गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व को अप्रत्यक्ष तरीके से स्वीकार कर लेने वाले अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के विचार भी अब बदलते हुए नजर आने लगे हैं।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर जो स्वीकार्यता बढ़ती हुई नजर आने लगी थी, उसे हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पूरी तरह से चकनाचूर कर दिया है। झारखंड में विपक्षी इंडिया गठबंधन को फिर से सरकार बनाने में कामयाबी तो मिल गई है लेकिन इसका पूरा श्रेय जेएमएम नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जा रहा है। लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी गठबंधन को मिली हार का ठीकरा एक तरह से राहुल गांधी पर ही फोड़ा जा रहा है जबकि इस गठबंधन में महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता माने जाने वाले शरद पवार और बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर दावा करने वाले उद्धव ठाकरे भी शामिल हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के सहयोगी जो बातें दबी जुबान में कह रहे थे, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद वही बातें खुल कर कहने लगे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने खुल कर इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। इससे पहले उन्ही की पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए यह कह चुके हैं कि कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है, कांग्रेस ने अपने परफॉर्मेंस से इंडिया गठबंधन को निराश कर दिया है। कल्याण बनर्जी तो यहां तक बोल गए कि कांग्रेस को अपना अहंकार त्याग कर ममता बनर्जी को अपना नेता मान लेना चाहिए। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी कई बार इशारों–इशारों में और कई बार खुलकर कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठा चुके हैं। उनके चाचा रामगोपाल यादव ने तो राहुल गांधी पर खुलकर हमला बोलते हुए यहां तक कह दिया कि वे इंडिया गठबंधन के नेता नहीं हैं। उद्धव ठाकरे, पहले से ही राहुल गांधी से नाराज हैं कि अपने वादे के मुताबिक कांग्रेस नेता ने विधानसभा चुनाव के समय उन्हें महाविकास अघाड़ी की तरफ से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया।

दरअसल, इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अब अपने अस्तित्व का डर सताने लगा है। उनके मन में यह बात बैठती जा रही है कि राहुल गांधी लड़ नहीं पाते हैं। राहुल गांधी न तो पीएम नरेंद्र मोदी से लड़ पा रहे हैं और ना ही साये की तरह अपने साथ चलने वाले उन कांग्रेस नेताओं से लड़ पा रहे हैं जो उन्हें अनाप–शनाप सलाह देते रहते हैं।

यह बात कुछ हद तक सही भी है। राहुल गांधी चाहकर भी अपने करीबी युवा नेता सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। सर्वे रिपोर्ट के बावजूद राजस्थान विधानसभा चुनाव के समय अशोक गहलोत के करीबियों का टिकट नहीं काट पाए। वादा करने के बावजूद छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल को हटाकर टीएस सिंहदेव को मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। मध्य प्रदेश में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी से अपने सबसे करीबी नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को बचा नहीं पाए। राहुल गांधी अशोक गहलोत से लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा तक किसी भी क्षेत्रीय क्षत्रप से अपनी बात मनवा नहीं पाते हैं। जिस तरह से अड़ कर उन्होंने गांधी परिवार से अलग हटकर मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवाया, उस तरह की जिद वह पार्टी के अन्य मामलों में कर नहीं पाते हैं। नतीजा यह है कि देश के कई राज्यों में आज सांगठनिक दृष्टि से कांग्रेस एक तरह से खत्म सी नजर आ रही है। उन्होंने जिन केसी वेणुगोपाल को राष्ट्रीय संगठन महासचिव बनाकर, संगठन बनाने की जिम्मेदारी दी है, वह जनाब संगठन बनाने से ज्यादा तवज्जों राहुल गांधी के साथ हमेशा घुमने को देते नजर आते हैं। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि क्या राहुल गांधी इन बातों को समझ नहीं पा रहे हैं और अगर समझ रहे हैं तो फिर लड़ क्यों नहीं पा रहे हैं ?

शेयर मार्केट में बिजनेस पार्टनर बनाने का झांसा देकर 30 लाख की ठगी

संवाददाता—गोण्डा। शेयर मार्केट में बिजनेस पार्टनर बनाने और जमीन की खरीद फरोख्त में अच्छा मुनाफा देने की बात बताकर क्षेत्र के दो दर्जनों से अधिक लोगों से करीब डेढ़ करोड़ की रकम की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित अश्वनी जैसवाल की शिकायत पर एसपी ने जांच के लिए सीओ सदर को जांच के लिए नामित किया। सीओ सदर ने मामले की जांच पूरी कर रिपोर्ट बनाकर पुलिस अधीक्षक को सौंपी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मामले में पांच लोगों के खिलाफ कोतवाली इटियाथोक में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मामला कोतवाली इटियाथोक के हरैया झूमन का है। यहां के रहने वाले अश्वनी जैसवाल की दोस्ती इसी गांव के रहने वाले शुभम पाल से हुई। आरोप है कि शुभम पाल शेयर मार्केट में निवेशकों से पैसा लगवाता था और उससे होने वाले मुनाफे की रकम निवेशकों को बांट देता था। पीड़ित अश्वनी जैसवाल ने बताया पहले शुभम पाल ने लोगों के ऊपर विश्वास जमाए उसके बाद जब अच्छी खासी रकम इकठ्ठा कर ली तो मूल रकम के साथ मुनाफा भी देने के लिए आनाकानी करने लगा। अश्वनी जैसवाल ने बताया कि शेयर मार्केट में बिजनेस पार्टनर बनाने और अच्छा मुनाफा देने की बात पर विश्वास कर शुभम पाल के खाते और नकद मिलाकर करीब 30 लाख दिए। कई माह बीत जाने के बाद जब शुभम पाल ने मुनाफे की रकम नहीं दी तो कई बार उससे अपने रकम को मांगा तो शुभम पाल और उसके परिवार के लोग ने हमे खदेड़ा और जान से मारने की धमकी दी। एसपी के निर्देश पर कोतवाली इटियाथोक में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है जिसमें एक महिला भी शामिल है। प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक शेषमणि पाण्डेय ने बताया शेयर मार्केट में बिजनेस पार्टनर बनाने के मामले में मुख्य आरोपी शुभम पाल पुत्र सुरेन्द्र पाल, रीता पाल पत्नी सुरेन्द्र पाल, सुरेन्द्र पाल पुत्र स्व0 मेहीलाल पाल, वीरेन्द्र पाल पुत्र स्व0 मेहीलाल पाल एवं चन्दन कश्यप पुत्र सुखराम कश्यप बनवासी निवासी आशीर्वाद कॉलोनी दुखहरण नाथ मन्दिर गोंडा हाल पता हरैया झूमन कोतवाली इटियाथोक के खिलाफ धोखाधड़ी जान से मारने की धमकी के साथ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति ठीक न होने पर डीएम ने लगाई फटकार

संवाददाता—बहराइच। जिले में एग्रीस्टैक (डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर) के तहत पीएम—किसान के लाभार्थियों सहित सभी भूमिधर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने सम्बंधी कार्यो की डीएम ने समीक्षा की। रिपोर्ट देखकर तल्ख हुई डीएम ने राजस्व व कृषि विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई। कहा कि सात दिनों में सुधार न होने पर शासन को संस्तुति रिपोर्ट भेजकर कार्रवाई कराई जाएगी। कहा कि 31 दिसंबर तक शत—प्रतिशत कार्य पूर्ण कराएं।

फार्मर रजिस्ट्री सरकार की प्राथमिकता में है। इस कार्य से किसानों का डाटा पोर्टल पर अपलोड हो जाएगा। हर तरह की योजनाएं उन्हें बिना दौड़भाग के मिलती रहेंगी। नवंबर से ही यह कार्य शुरू हो चुका है। जिसका डीएम ने समीक्षा किया। जिसमें जिले के समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व लेखपाल व राजस्व निरीक्षकों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने में रूचि न लेने के कारण अत्यन्त कम प्रगति पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उप कृषि निदेशक टीपी शाही ने जिलाधिकारी को बताया कि फार्मर रजिस्ट्री एप में कतिपय तकनीकी कमियों के कारण कुछ किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है।

डीएम ने कहा कि जिन किसानों के डाटा में मिसमैच होने के कारण फार्मर रजिस्ट्री नहीं तैयार हो रही है। ऐसे किसानों का विवरण पोर्टल पर सही कराने का प्रयास करें। जिन किसानों का डाटा सही है उन्हें शत प्रतिशत समय सीमा के अन्दर आच्छादित करें। राजस्व लेखपाल व कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि 31 दिसम्बर तक शत प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण करें। अन्यथा सबका उत्तरदायित्व निर्धारित कर प्रशासनिक कार्यवाही की जायेगी। एसडीएम को निर्देश दिया कि फार्मर रजिस्ट्री योजना की गूगल सीट तैयार कर एक—एक कार्मिकों के प्रगति की समीक्षा करें जो कार्मिक अपेक्षित प्रगति नहीं करता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर अवगत कराये।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में रेड हाउस का रहा दबदबा

संवाददाता—महराजगंज। सिसवा के आरपीआईसी स्कूल में पुरस्कार वितरण के साथ तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन किया गया। खेल को लेकर खिलाडियों में विशेष उत्साह दिखा। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में रेड हाउस का दबदबा रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रभारी निरीक्षक कोठीभार अखिलेश सिंह व जिला उपभोक्ता फोरम के पूर्व न्यायिक अधिकारी अवधेश चौबे ने किया। उन्होंने कहा कि खेल से सामूहिक सदभाव की भावना प्रबल होती है। साथ ही खेल में भाग लेने से खिलाड़ियों में सहिष्णुता, धैर्य और साहस का विकास होता है। प्रतियोगिता में रेड हाउस ने रेस जूनियर बालिका वर्ग, स्पून मार्बल जूनियर बालिका, बालक वर्ग, स्किपिंग सीनियर बालिका वर्ग, शॉर्ट पुट बालक वर्ग, लांग जंप बालक व बालिका वर्ग तथा कैरम बालिका वर्ग में ओवर ऑल पहले स्थान पर आकर गोल्ड मेडल व ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। जबकि येलो हाउस को रेस जूनियर बालक वर्ग, टग ऑफ वार बालक, बालिका वर्ग, बैडमिंटन बालक वर्ग, कबड्डी जूनियर बालक वर्ग, कबड्डी सीनियर बालक, बालिका वर्ग, शॉट पुट बालिका वर्ग व चेस बालिका वर्ग में पहला स्थान मिला। बेहतर प्रदर्शन हेतु आदित्य जायसवाल व रुनझुन को विशेष सम्मान दिया गया। क्रिकेट में मैन ऑफ द मैच का खिताब ग्रीन हाऊस के प्रांजल राव को मिला। कॉलेज के निदेशक डॉ. पंकज तिवारी ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान नगर चौकी प्रभारी बृजमान यादव, भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष धीरज तिवारी, विजयशंकर मिश्र, देवेंद्र शुक्ल, प्रतीक श्रीवास्तव, संस्कृति जायसवाल, विजयलक्ष्मी जायसवाल आदि मौजूद रहे।

अस्पताल में सीरम इलेक्ट्रोलाइट की जांच शुरू

संवाददाता—गोण्डा। बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में अब सीरम इलेक्ट्रोलाइट की जांच भी हो सकेगी। पीकू वार्ड जांच करने के लिए मशीन लगा दी गई है। सोमवार को जांच भी शुरू करा दी गई है। अब ब्लड गैस सहित ब्रेन हैमरेज वाले मरीजों की अन्य कई जांचें भी हो सकेंगी। कड़ाके की ठंड में ब्रेन हैमरेज के बढ़ते केसों के कारण यह जांच शुरू होने को लेकर अस्पताल प्रशासन का सराहनीय कदम माना जा रहा है। बाबू ईश्वर शरण अस्पताल के मेडिकल कालेज से सम्बद्ध होने के बाद से कई प्रकार की नई सुविधाओं का इजाफा हो रहा है। सोमवार को सीरम इलेक्ट्रोलाइट जांच शुरू होने से सुविधाओं में एक और इजाफा हो गया। पीकू वार्ड में सीरम इलेक्ट्रोलाइट की जांच के लिए एबीजी इलेक्ट्रोलाइट एनालाईजर मशीन लगाई गई है। अस्पताल के माइक्रोबायोलॉजिस्ट व मैनेजर डा अनिल वर्मा ने बताया कि इस मशीन से शरीर में सोडियम, पोटैशियम व कैल्शियम के डिस्बैलेंस संबंधित जांच हो सकेगी। वहीं उच्च रक्तचाप व ब्रेन हैमरेज से संबंधित मरीजों की भी कई जांचें इस मशीन से हो सकेंगी। इससे पहले यह जांच अस्पताल आने वाले मरीजों को बाहर से करानी पड़ती थीं। अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. एम डब्ल्यू खान ने बताया कि एबीजी इलेक्ट्रोलाइट एनालाइजर मशीन पीकू वार्ड में स्थापित की गई है। पीकू वार्ड के ही स्टाफ द्वारा अब सीरम इलेक्ट्रोलाइट की जांच की जाएगी। इससे मरीजों

हाथी ने बाइक सवार को सूंड में फंसाकर फेंका, घायल

संवाददाता—बहराइच। सेंचुरी क्षेत्र के गेरुआ नदी पार भरथापुर निवासी बाइक सवार युवक को हाथी ने सूंड में फंसाकर फेंक दिया। इससे वह घायल हो गया। दूसरे राहगीर की मदद से उसकी जान बच गई, लेकिन हाथी काफी दूरी तक उसके पीछे दौड़ लगाता रहा है। गुस्साए गजराज ने बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। हमले की सूचना पर वनकर्मी प्रभावित के गांव पहुंचे। ग्रामीणों को भरथापुर जंगल से आवागमन करते समय चौकन्ना रहने का सुझाव दिया गया है। कतर्नियाघाट रेंजर आशीष कुमार गौड ने बताया कि गेरुआ नदी के उस पार स्थित भरथापुर गांव के रहने वाले सुरेंद्र कुमार पर हाथी का हमला हुआ है। पीड़ित का कहना है कि परदेश से लौट रहे भाई को लाने के लिए वह बाइक से जा रहा था। जंगल में हाथी ने उनको दौड़ा लिया। कुछ दूरी पर ही सूंड में फंसाकर उन्हें फेंक दिया, जबकि बाइक पर सवार घनश्याम ने कूदकर जान बचाई। बताया कि दूसरे बाइक सवार ने उसे बचा लिया।

सूचना मिलते ही डीएफओ ने रेंजर को मौके पर भेजा। रेंजर ने बताया कि घायल सुरेंद्र पूरी तरह से फिट है। हाथियों का मूवमेंट बना हुआ है।

मेगा दिवस पर सिर्फ 18 हजार छात्रों की बनी आईडी

संवाददाता—गोण्डा। जिले के सभी विद्यालयों में कक्षा एक से बारह तक के विद्यार्थियों की डिजिटल पहचान के लिए अपार आईडी बनाने के लिए सोमवार से दो दिवसीय मेगा अपार दिवस का आयोजन किया गया। पहले दिन 4793 स्कूलों में सिर्फ 18 हजार 198 छात्रों की आईडी जेनरेट की गई। इससे कुल संख्या 59071 पहुंच गई है। शासन के निर्देश पर सभी विद्यालयों में दो दिवसीय मेगा अपार दिवस के आयोजन कर अपार आईडी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। पहले दिन दो प्रतिशत की दर्ज हो सकी है। जिले में संचालित हो रहे परिषदीय और निजी 4793 कंपोजिट विद्यालय में 6.34 लाख 557 छात्र पंजीकृत हैं। जिसमें से सोमवार तक 59071 छात्रों की अपार आईडी बनाई जा चुकी है। अभी तक 16 ब्लॉक और नगर क्षेत्र के 40 हजार 873 अपार आईडी बनी थी। मनकापुर शिक्षा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सरा आज्ञाराम में बच्चों के अभिभावकों के साथ मेगा अपार आईडी बनाने को लेकर शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया ने बैठक कर मेगा अपार आईडी बनाने पर जागरूक करते हुए कहा कि सरकार ने बच्चों की शैक्षिक प्रगति जानने को लेकर के लिए एक राष्ट्र एक पहचान की अपार आईडी बनाई है। जिससे विद्यार्थियों की डिजिटल पहचान हो सकेगी। डीसी एमआईएस जगदीश गुप्ता ने बताया कि पहले दिन कुल 18198 अपार आईडी जेनरेट हुई है।

पंद्रह ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन के लिए भूमि मिलने का इंतजार

संवाददाता—देवरिया। जिले के जिन इक्कीस ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन के लिए भूमि नहीं है इसके लिए ग्राम पंचायत में सरकारी जमीन नहीं मिलने पर निजी भूमि भी खरीदने को शासन का निर्देश है। वही निर्देश के लगभग डेढ़ माह बाद भी पंद्रह ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन निर्माण के लिए भूमि मिलने का इंतजार है।

अपर मुख्य सचिव पंचायती राज द्वारा जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन निर्माण हेतु भूमि अनुपलब्धता के कारण पंचायत भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं हो पाया है, उन ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन के निर्माण हेतु 15वें वित्त आयोग अनटाइड राज्य वित्त आयोग या स्वयं के स्रोत की आय (ओएसआर) मद की धनराशि से आबादी के निकटतम स्थल व आवागमन की सुलभता वाले मार्ग के समीप 500 वर्ग मीटर अथवा आवश्यक निजी भूमि क्रय करने का निर्देश है। साथ ही पंचायत भवन के लिए खरीदी जाने वाली निजी जमीन को वर्तमान सर्किल दर से चार गुना अधिक रेट पर खरीदा जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। सम्बन्धित ग्राम पंचायतों के ऐसे व्यक्ति जो अपनी भूमि पंचायत भवन निर्माण हेतु ग्राम सभा को विक्रय करना चाहते हों वे ग्राम प्रधान व सचिव के साथ जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय के माध्यम से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में गठित समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपना प्रस्ताव समिति को दे सकते है।

वहीं अब तक लार विकास खंड के माधोपुर में सरकारी जमीन मिली है। जबकि इसी ब्लाक के बौरडीह, सहियागढ़, भागलपुर के बेलवा, बैतालपुर के महुअवा 2 व सदर विकास खण्ड के परसिया ग्राम पंचायतों से निजी भूमि देने के लिए आवेदन आये हैं। जबकि आदेश मिलने के लगभग डेढ़ माह बाद भी पंद्रह ग्राम पंचायतों में भूमि मिलने का इंतजार है।

महिला ने पति पर दर्ज कराया मुकदमा

संवाददाता—कुशीनगर। पटहेरवा थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। उस पर पिटाई, आए दिन प्रताड़ित करने, दूसरी महिला से संबंध तथा जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाई है। पुलिस ने पति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पटहेरवा थाना क्षेत्र के डुमरभार गांव की निवासी एक महिला ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि उसके चार बच्चे हैं। पति का किसी और महिला से अवैध संबंध है। पति आए दिन उसके साथ मारपीट व अभद्र व्यवहार करता है। महिला का आरोप है कि पति ने उसे गैस से जलाकर उसे जान से मारने की भी कोशिश की है। पति द्वारा उसे तथा बच्चों को आजीविका के लिए खर्चा नहीं दिया जाता है। किसी तरह से जान बचाकर बच्चों के साथ आई। पति से आजिज आकर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस तहरीर के आधार पर आरोपी पति के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच में जुट गई है।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन के अध्यक्ष बने डॉ. आरपी शाही

संवाददाता—देवरिया। इंडियन डेंटल एसोसिएशन शाखा देवरिया का चुनाव शनिवार की देर शाम शहर के एक होटल में डॉ. विकास पांडेय की देखरेख में हुआ। इसमें सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। डॉ. आरपी शाही को वर्ष 2025 के लिए अध्यक्ष चुना गया। वहीं डॉ. रजनी सिंह इलेक्टेड प्रेसीडेंट चुनी गई। साथ कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी भी चुने गए। उपाध्यक्ष पद पर डॉ. एसएस गुप्ता व डा पवन कुमार सिंह चुने गए। संयुक्त सचिव पद पर डॉ. श्वेता चौरसिया पर चुनी गईं। वहीं डॉ. संतोष कुमार शाही को सह सचिव, डॉ. अजीत कुमार सिंह को सीडीएच कन्वेनर, डॉ. प्रगति गौड़ को सीडीई कन्वेनर, डॉ. किसलय गौर को एडिटर, डॉ. शशांक सिंह, डॉ. अविनाश चौरसिया, डॉ. जितेंद्र राय, डॉ. विकास पाण्डेय को स्टेट ब्रांच रिप्रेजेंटेटिव चुना गया। डॉ. आशुतोष मुरजानी, डॉ. संजय मिश्र को एक्जीक्यूटिव कमेटी मेंबर चुना गया। इसी के साथ वूमेन डेंटल कौंसिल का भी चुनाव संपन्न हुआ। इसमें डॉ. अंकिता राय अध्यक्ष, डॉ. रत्नावली त्रिपाठी व डॉ. रश्मि शाही को उपाध्यक्ष चुना गया। चुनाव में सचिव डॉ. नीतिश राय ने वर्ष 2024 का आईडीए का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। साथ ही स्टेट कार्यालय द्वारा आईडीए देवरिया को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित करने पर आभार व्यक्त किया।

सचिव ने कहाकि इस वर्ष भी इंडियन डेंटल एसोसिएशन अपने सभी दायित्वों का निष्ठा के साथ निर्वाह करेगा। अध्यक्षता करे रहे डॉ. विकास पाण्डेय व संगठन सचिव डॉ. नीतिश राय को विगत कार्यकाल हेतु स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. नीलरतन बरनवाल, डॉ. अरविंद मद्धेशिया, डॉ. सुनील कुमार मल्ल, डॉ. गुंजन गुप्ता, डॉ. एसएस गुप्ता, डॉ. अदिति यादव, डॉ. अतुल, डॉ. आदिल, डॉ. रोहित, डॉ. हर्ष, डॉ. विवेक, डॉ. संजीव, डॉ. सुधांशु, डॉ. चंदन, डॉ. शंभु कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

अवारा कुत्तों का आतंक, घर के बाहर खेल रही मासूम को नोच-नोचकर किया जख्मी, हालत गंभीर

संवाददाता—महराजगंज। महराजगंज में सोमवार की सुबह घर के पास खेल रही एक चार साल की मासूम पर आवारा कुत्ते ने हमला बोल दिया। मासूम चिल्लाती रही और कुत्ता उसे नोच—नोचकर काटता रहा। शोर सुनकर जब तक परिजन पहुंचते तब तक कुत्ते ने मासूम के सिर को काटकर बुरी तरह लहूलुहान कर दिया था।

यूपी के महराजगंज के सोनौली कोतवाली के ग्राम जगरनाथपुर में आवारा कुत्तों की समस्या हो गई है। सोमवार की सुबह घर के पास खेल रही एक चार साल की मासूम पर आवारा कुत्ते ने हमला बोल दिया। मासूम चिल्लाती रही और कुत्ता उसे नोच—नोचकर काटता रहा। शोर सुनकर जब तक परिजन पहुंचते तब तक कुत्ते ने मासूम के सिर को काटकर बुरी तरह लहूलुहान कर दिया था। आनन—फानन में परिजन मासूम को लेकर रतनपुर सीएचसी पर पहुंचे, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी नाजुक हालत देख डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

ग्राम जगरनाथपुर को रहने वाले अरविन्द की चार वर्षीया पुत्री नित्या सोमवार को अपने घर के बाहर खेल रही थी। उसकी मां घर के अन्दर खाना बना रही थी। इसी बीच अचानक दौड़ता हुआ एक कुत्ता आया और मासूम बच्ची पर हमला बोल दिया। बच्ची को नोच— नोच कर कुत्ता काटने लगा। मासूम बच्ची का शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े और कुत्ते को डंडे से मार कर भगाया। मासूम बच्ची के सिर पर हुए गहरे जख्म को देख परिजन व ग्रामीणों के होश उड़ गए। आनन—फानन में परिजन इलाज के लिए उसे रतनपुर सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

भाकियू भानु गुट के जिलाध्यक्ष को किया गया नजरबंद

संवाददाता—गोण्डा। किसान आंदोलन में भाग लेने दिल्ली जा रहे भारतीय किसान यूनियन (भानू गुट) के जिलाध्यक्ष को पुलिस ने उनके आवास पर उन्हें नजर बंद कर दिया है। संगठन के अन्य कार्यकर्ताओं पर भी पुलिस नजर रख रही है। दिल्ली कूच की खबर पाते ही पुलिस सक्रिय हुई। थाने लाने के बाद उन्हें वापस उनके घर ले गई। आवास पर पुलिस टीम मुस्तैद कर दी गई है।

गौतम बुद्ध नगर के किसानों के द्वारा अपनी जायज मांगों को लेकर किसान कार्यकर्ता आंदोलनरत हैं। कई दिन से धरना दे रहे किसानों की मांग पूरी न होने के कारण किसान दिल्ली कूच कर रहे हैं। इसी दौरान शासन प्रशासन के द्वारा बब्बरता पूर्ण किसानों को जेल में बंद किया गया है जिसके विरोध में भानु संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह के आवाहन पर जिलाध्यक्ष प्रतीराम चौधरी के नेतृत्व में जिले के किसान कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली में किसानों के आंदोलन में शामिल होने के लिए जाने की तैयारी में थे इसकी जानकारी नवाबगंज पुलिस को लगी। पुलिस प्रशासन द्वारा सोमवार 12 बजे दिन में उनके आवास से उन्हें हिरासत में लेकर थाने लेकर आई। जानकारी जुटाने के बाद वापस उनके आवास पर उन्हे नजर बन्द कर दिया गया है। थानाध्यक्ष शीला यादव ने बताया कि संगठन के अन्य किसानों पर नजर रखी जा रही है। नजरबंद जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह तानाशाही है। कहा कि प्रशासन पूरी तरह से आवाज दबाने का काम कर रहा है। दिल्ली में किसान आंदोलन को लेकर अन्य किसान संगठनों के पदाधिकारियों पर पुलिस की अलग—अलग टीमें नजरें गड़ाए हुए हैं, ताकि जिले से बाहर जाने से उन्हें रोका जा सके।

निजी शौचालय बनाने को आए लगभग 23 हजार आवेदन

संवाददाता—देवरिया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत सरकार का हर घर में शौचालय निर्माण पर जोर है। जिले के सोलह विकास खंडों से निजी शौचालय बनाने को कुल लगभग 23 हजार 158 लोगों ने निजी शौचालय बनाने के लिए आवेदन किया है। विभाग द्वारा आए आवेदनों की पात्रता की जांच कराई जा रही है। पात्रता के आधार पर शौचालय निर्माण के लिए मिलने वाली सरकारी धनराशि मुहैया कराई जाएगी।

स्वच्छता अभियान के तहत ग्राम पंचायत में निजी शौचालयों के निर्माण के लिए जिले में वर्ष 2023–24 के लिए कुल लगभग 23 हजार निजी शौचालयों को बनाने का लक्ष्य है। जिसमें अब तक लगभग 10 हजार लोगों को निजी शौचालयों के निर्माण के लिए स्वीकृति दी जा चुकी है। जबकि विभाग के पास जिले में लक्ष्य से अधिक 23158 आवेदन पेंडिंग पड़े हैं। जिनमें बैतालपुर ब्लाक में 1530, बनकटा में 2254, बरहज में 1429, भागलपुर में 730, भलुअनी में 2061, भटनी में 2294, भाटपाररानी में 1522, देवरिया सदर में 1333, देसही देवरिया में 979, गौरीबाजार में 1482, लार में 1711, पथरदेवा में 1214, रामपुर कारखाना में 832, रुद्रपुर में 1367, सलेमपुर में 1569 व तरकुलवा में 821 आवेदन पेंडिंग चल रहे हैं। वहीं निजी शौचालय निर्माण के लिए आये आवेदनों को विभाग द्वारा सत्यापन की प्रक्रिया की जा रही है। जांच में पात्रता मिलने पर ही आवेदकों को सरकार द्वारा शौचालय निर्माण के लिए दी जाने वाली अनुदान धनराशि मिलेगी।

हर घर में स्वच्छता को देखते हुए सरकार द्वारा निजी शौचालयों को बनाने के लिए अनुदान के रूप 12 हजार दिया जाता है। इसका लाभ देने से पूर्व इसकी जांच कराई जाती है कि संबंधित आवेदनकर्ता के घर में शौचालय निर्माण कराया गया है कि नहीं। इसके आधार पर अनुदान की राशि संबंधित लाभार्थी के खाते में भेजी जाती है।

राजेश मणि त्रिपाठी, जिला समन्वयक, स्वच्छता ने बताया कि स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा घर घर शौचालय निर्माण पर जोर है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग दस हजार से अधिक निजी शौचालयों के निर्माण के लिए धनराशि आवंटित की जा चुकी है। हालांकि अभी भी लक्ष्य से अधिक आवेदन पेंडिंग हैं। इसकी जांच कराकर निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष लाभार्थी के खातों में धनराशि भेजी जाएगी।

दो करोड़ से बनेंगी शहर में 40 सड़कें, सर्वे शुरू

संवाददाता—महराजगंज। शहरवासियों के लिए राहत भरी खबर है। बहुत जल्द उन्हें टूटी सड़क से निजात मिलेगी। इतना ही नहीं वंचित चल रहे वार्डवासियों को सीसी रोड की सुविधा मिलेगी। इसके लिए नगर पालिका प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। दो करोड़ की लागत से 40 सड़क बनाएगी। इसके लिए सर्वे कार्य तेज कर दिया है। 67 लाख आबादी वाले नगर पालिका परिषद महराजगंज में 25 वार्ड हैं। इन वार्डो में सीमा विस्तार में शामिल गांवों और टोलों को मोहल्ले दर्जा मिल गया है। गांव से वार्ड बने एन मोहल्लों में सड़क की सुविधा नहीं है। खड़ंजा या कच्ची सड़क से ही इन मोहल्लेवासियों का आवागमन करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं पुराने वार्डों की अधिकांश सड़कें टूट गई हैं। टूटी सड़क से वार्डवासियों की सांसत हो रही है। इसकी शिकायत नगर पालिका को हर रोज मिल रही है। शहरवासियों को सड़क की समस्या से निजात दिलाने के लिए पहल तेज कर दी है। पहले चरण में 40 सड़के बनाएगी। करीब दो करोड़ की लागत से बनने वाली इन सड़कों को चिह्नित कर रही है। सर्वे के बाद दिसंबर में ही टेंडर प्रक्रिया पूरी करेगी। जनवरी में सड़कों का निर्माण कार्य के साथ ही मरम्मत कार्य शुरू करेगी।

नगर पालिका प्रशासन ने गांव से वार्ड बने मोहल्ले के लोगों को प्राथमिकता पर शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। इसके लिए इन मोहल्लों में सबसे अधिक सीसी रोड बनाएगी। नपा अध्यक्ष खुद इसका सर्वे कर रही हैं। डॉ. पुष्पलता मंगल, अध्यक्ष नपा महराजगंज ने बताया कि नगरवासियों को शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। सड़कों निर्माण के लिए सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। टेंडर के बाद सड़क निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

लाखों के जेवर चोरी करने में दंपति और पुत्र को दबोचा

संवाददाता—गोण्डा। स्थानीय थाने की पुलिस ने उमरी स्थिति जेठासी नई बस्ती में हुई लाखों की चोरी का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से चोरी के लाखों के 17 अदद सोने–चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं। पुलिस ने तीनों को न्यायालय रवाना किया है। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि बीते दोध्दीन दिसंबर की रात में जेठासी नई बस्ती में सरोजा निषाद के घर में चोरी के घुसकर पड़ोसी ननके केवट ने लाखों के जेवर पार कर दिए थे। सरोजा निषाद ने ननके केवट पर संदेह जाहिर करते हुए स्थानीय थाने पर चोरी की रिपोर्ट लिखाई थी। पुलिस ने छानबीन के पश्चात रविवार को ननके केवट व उसके पिता अनंतराम केवट को एक बाइक पर कुछ जेवर लेकर जाते हुए गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर ननके की मां प्यारा देवी के पास भी छुपाए गए कुछ जेवर बरामद किए गए हैं। बरामद जेवरों में एक जोड़ी चांदी का कड़ा, एक जोड़ी चांदी का कंगन, एक चांदी की हंसुली, एक ब्रेसलेट तथा एक सोने का टॉप्स, एक झुमकी, एक नाक की कील, एक चांदी की करधन, चांदी के छह सिक्के, एक जोड़ी पायल, तीन चांदी के बटन, दो बिछुआ, एक जोड़ी चिमटी, एक जोड़ी चांदी के टॉप्स, एक जोड़ी झुमकी, चांदी के दो करधन, एक सोने की जंजीर तथा एक अंगूठी चांदी की मिली है। बरामद जेवर की कीमत दो से तीन लाख के बीच बताई जा रही है। घटना का खुलासा करने में उपनिरीक्षक रवि प्रकाश यादव, बृजेश यादव, हेड कांस्टेबल कालेंद्र यादव, कांस्टेबल पीयूष यादव, सूरज कुमार तथा महिला आरक्षी प्रियंका तथा सरस्वती सिंह की मुख्य भूमिका रही।

नशे में धुत आउटसोर्सिंग कर्मचारी ने खूब काटा हंगामा

संवाददाता—गोण्डा। स्वशासी मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में रविवार रात एक आउटसोर्सिंग के चतुर्थश्रेणी कर्मचारी ने जमकर हंगामा काटा। इमरजेंसी आने वाले मरीजों व उनके तीमारदारों से बदसलूकी की। मामला आगे बढ़ने पर लोगों ने इसकी शिकायत अस्पताल के मैनेजर व मेडिकल सुपरिटेंडेंट से की। आउटसोर्सिंग फर्म के सुपरवाइजर को कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

नशे में धुत एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी इमरजेंसी के बाहर आकर खड़ा हो गया। वह इमरजेंसी तक बाइक से आने वाले लोगों से बदसलूकी करने लगा। तीमारदारों ने बताया कि उसने गले में पहनी खुद की आईडी तोड़कर फेंक दी और लोगों पर आईडी तोड़ने का आरोप लगाते हुए दबाव बनाने लगा। उसने कई लोगों से बदसलूकी भी की। इस घटना को लेकर इमरजेंसी के सामने लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। अंदर वार्डों में भर्ती मरीजों के परिजन तू–तड़ाक सुनकर बाहर निकल आए।

भीड़ इकट्ठा होने पर इमरजेंसी के कर्मचारियों ने किसी तरह आउटसोर्सिंग कर्मचारी को मौके से हटाकर मामला शांत कराया। बताया जाता है कि इस बीच किसी ने मामले की शिकायत मेडिकल सुपरिटेंडेंट व हास्पिटल मैनेजर से फोन पर कर दी। जिसके बाद अस्पताल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हास्पिटल मैनेजर डा अनिल वर्मा ने बताया कि फर्म के सुपरवाइजर को बुलाकर संबंधित कर्मचारी पर कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि अस्पताल आने वाले मरीजों के सुविधा का विशेष ख्याल रखा जाता है, उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

बिना परमिट शीशम पर चला आरा, वन विभाग ने रोका

संवाददाता—बहराइच। ठंड बढ़ने के साथ ही पेड़ों पर आरा चलने लगा है। बैवाही गांव के निकट बिना परमिट के लकड़ी के ठेकेदार ने शीशम के 6 हरे पेड़ों को कटवा दिया। इसकी जानकारी होने पर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी है। वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। खैरीघाट थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बैवाही के पास तालाब के किनारे एक किसान के खेत में कई हरे शीशम के पेड़ लगे थे। शिवपुर निवासी एक लकड़ी के ठेकेदार ने बिना परमिट के उसमें से 6 पेड़ बीते शनिवार को काट लिया। ग्रामीणों ने सूचना वन विभाग को दी। सोमवार को नानपारा रेंज के वन कर्मी पहुंचे तो पता चला कि जिस जगह पेड़ों की कटाई हुई है वो मोतीपुर रेंज में पड़ता है जिसकी सूचना वन क्षेत्राधिकारी मोतीपुर एस के तिवारी को दी गई है। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि जानकारी मिली है। मौके की जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। लेकिन लगातार हरे भरे पेड़ों की कटाई से पुलिस पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

उपकरण पाकर खिले दिव्यांग बच्चों के चेहरे

संवाददाता—देवरिया। ब्लॉक संसाधन केंद्र मुजेहना पर सोमवार को परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र–छात्राओं को सहायक उपकरण वितरित करने के लिए शिविर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि बीएसए अतुल कुमार तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन एवं माल्यार्पण कर शिविर का शुभारम्भ किया। इस दौरान 120 बच्चों को विभिन्न उपकरण प्रदान किए गए। बीएसए अतुल कुमार तिवारी ने शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते कहा कि दिव्यांगों को कभी भी खुद को कमजोर नहीं समझना चाहिए। उनके समग्र विकास के लिए हम सभी को आगे आना होगा। दुनिया में तमाम लोगों ने अपने विभिन्न अंगों से बिल्कुल असमर्थ होने के बावजूद भी शिक्षा व विज्ञान के क्षेत्र में एक कीर्तिमान बनाया है। बीएसए ने शिक्षक सुनील कुमार वर्मा को माला पहनकर सम्मानित भी किया। उन्होंने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान समेकित शिक्षा के अन्तर्गत एलिम्को ने कैंप का आयोजन कर इन बच्चों को चिन्हित किया था।

शिविर में 120 दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकतानुसार ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, बैशाखी, श्रवण यंत्र, टीएलएम किट और कैलिपर आदि प्रदान किए गए हैं। जिला समन्वयक समेकित शिक्षा राजेश सिंह ने भी दिव्यांगों के विकास पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ मुजेहना के ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप पाठक ने किया। इस अवसर पर एआरपी महेश चौधरी, अबरीश कुमार, प्रधानाध्यापक अजय सिंह, सुजीत त्रिपाठी, राधेश्याम शुक्ल, शुभम सोनकर आदि उपस्थित रहे।

संस्थापक सप्ताह समारोह एमपी शिक्षा परिषद का मुख्य महोत्सव मंगलवार को, सीएम योगी करेंगे अध्यक्षता

संवाददाता–गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह का मुख्य महोत्सव (समापन कार्यक्रम) मंगलवार को महाराणा प्रताप इंटर कालेज के मैदान पर भव्यतापूर्वक होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में नोबल पुरस्कार विजेता, बचपन बचाओ आंदोलन के प्रणेता कैलाश सत्यार्थी उपस्थित होंगे। इस वर्ष पर परिषद की तरफ से उत्कृष्टता के आधार पर संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और 800 विद्यार्थियों को ट्रॉफी, पदक व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह मंगलवार प्रातः 9.30 बजे से प्रारम्भ होगा।

1932 में पूर्व पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण के ध्येय से ब्रह्मलीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह का शुभारंभ 4 दिसंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के साथ हुआ था।

शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

के रूप में मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर उपस्थित थे। 10 दिसंबर को इसका समापन सप्ताह भर चली विभिन्न प्रतियोगिताओं के मेधावियों को पुरस्कृत करने के साथ होगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के हाथों पुरस्कृत होंगी।

इस दौरान परिषद की सर्वश्रेष्ठ संस्था, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी, इंटरमीडिएट, स्नातक व परास्नातक के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक समारोह के समापन अवसर पर श्रेष्ठतम संस्था का महायोगी श्री गोरक्षनाथ स्वर्ण पदक कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर को मिलेगा। श्रेष्ठतम परिचारक के लिए ब्रह्मलीन महंत गोपालनाथ स्वर्ण पदक एमपी इंटर कॉलेज सिविल लाइंस के बृजानंद को, श्रेष्ठतम कर्मचारी के लिए योगिराज बाबा ब्रह्मनाथ स्वर्ण पदक डीवीएनपीजी कॉलेज के बृजेश विश्वकर्मा को, श्रेष्ठतम शिक्षक के लिए योगिराज बाबा गंभीरनाथ स्वर्ण पदक गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के शिक्षक डॉ. सुमित कुमार को प्राप्त होगा।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं में स्नातकोत्तर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी के रूप में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक डीवीएनपीजी कॉलेज के सागर चौधरी को, स्नातक के श्रेष्ठतम विद्यार्थी के रूप में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के निमिष सिंह को तथा हाईस्कूल–इंटर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी का महाराणा मेवाड़ स्वर्ण पदक एमपी बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस की गौरी गौड़ को प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 12 मेधावियों को विभिन्न विभूतियों के नाम पर नकद राशि सहित स्मृति पुरस्कार और बड़ी परीक्षाविश्वविद्यालय परीक्षा में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले 9 विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

संस्थापक समारोह के मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के हाथों एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में शिक्षा शास्त्र विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह की पुस्तक 'शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का विमोचन किया जाएगा। यह पुस्तक प्राचीन काल से शिक्षण पद्धति का विश्लेषण करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को रेखांकित करती है।

तीन जगहों पर चलेगी ओपीडी, 216 बेड पर भर्ती होंगे मरीज

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में सोमवार से 300 बेड के हॉस्पिटल का संचालन शुरू हो जाएगा। इस हॉस्पिटल में तीन विभागों की ओपीडी शुरू होगी, जबकि 216 बेड पर मरीज भी भर्ती किए जाएंगे। अब ओपीडी तीन स्थानों पर संचालित होगी, इससे मरीजों की समस्याएं कम हो जाएंगी।

मेडिकल कॉलेज में ओपीडी के पुराने स्थान पर ही रजिस्ट्रेशन काउंटर था तो 1000 से 1400 मरीजों का रजिस्ट्रेशन हो रहा था और इलाज से पहले मरीजों को लाइन में खड़े होने की परेशानी झेलनी पड़ रही थी। एक माह पहले एमसीएच विंग में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग एवं बाल रोग विभाग शिफ्ट हुआ था, जबकि अब मेडिकल कॉलेज की जनरल सर्जरी, जनरल मेडिसिन व आर्थोपेडिक्स विभाग की ओपीडी और आईपीडी नए भवन में संचालित होगी। जबकि तीनों विभागों में फिलहाल 72–72 बेड पर मरीज भर्ती किए जाएंगे। सभी बेड पर ऑक्सीजन की सुविधा दी गई हैं। आर्थोपेडिक्स विभाग के वार्ड प्रथम तल और जनरल सर्जरी का वार्ड दूसरे तल पर है, तीसरे तल जनरल मेडिसिन के मरीज भर्ती होंगे। सभी ओपीडी नीचे चलेंगी, जबकि पंजीयन की सुविधा भी वहीं होगी।

माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी और आर्थोपेडिक्स का संचालन होगा। एमसीएच विंग में स्त्री एवं प्रसूती रोग विभाग व बाल रोग विभाग का संचालन किया जा रहा है। जबकि पुराने भवन में मेडिसिन विभाग, नाक–कान गला विभाग, नेत्र विभाग, मानसिक रोग विभाग, स्कीन विभाग की ओपीडी चलेगी।

एक्सरे और सीटी स्कैन पुरानी भवन हो रही है। इससे कई मरीजों को अभी भी नए भवन में डॉक्टर से दिखवाने के बाद पुराने भवन में जांच करवाने के लिए जाना पड़ेगा। जबकि मेडिकल कॉलेज में दो सीटी स्कैन और तीन एक्सरे मशीन मौजूद हैं। लेकिन ऑपरेटर की कमी होने से सभी मशीनों का संचालन नहीं किया जा रहा है।

–प्रो. राजेश मोहन, प्राचार्य ने बताया कि पुरानी भवन से तीन विभागों को नए भवन में शिफ्ट किया गया है। सभी विभागों का संचालन सोमवार से नए भवन में होगा। एक्सरे व सीटी स्कैन की भी व्यवस्था जल्द ही नए भवन में की जाएगी।

मनुष्य को निर्भय बनाती है भागवत कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । भागवत मनुष्य को निर्भय बनाता है। मनुष्य ईश्वर का भय नहीं रखता इसीलिये दुःखी है। भागवत के भगवान इतने सरल हैं कि वे सबके साथ बोलने को तत्पर है किन्तु अपने स्वार्थों में लिपटा हुआ जीव तो जगत के स्वामी की भी उपेक्षा कर देता है। यह सद् विचार अनिरुद्ध महाराज जी ने राजेश्वरी मिश्रा प्राकृतिक कृषि फार्म दुबखरा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का सोमवार को सूत्रपात करते हुये व्यासपीठ से व्यक्त किया।

संगीतमयी ढंग से भागवत महिमा का गान करते हुये महात्मा जी ने कहा कि बिना ईश्वर के संसार अपूर्ण है। परमात्मा श्रीकृष्ण परिपूर्ण आनन्द स्वरूप है। भागवत शास्त्र का आदर्श दिव्य है। गोपियों ने घर नहीं छोड़ा, स्वधर्म का त्याग नहीं किया फिर भी वे श्रीभगवान को प्राप्त करने में सफल रहीं। महात्मा जी ने कहा कि दुःख में जो साथ दे वह ईश्वर और सुख में साथ देना वाला जीव है। श्रीकृष्ण की वन्दना से पाप जलते हैं।

ज्ञान और वैराग्य का विश्लेषण करते हुये महात्मा जी ने कहा कि सात दिन के भीतर परीक्षित को मुक्ति मिली। निश्चित था कि ठीक सातवे दिन उनका काल आने वाला है किन्तु हम काल को भूल जाते हैं। वक्ता शुकदेव जी जैसा अवधूत और श्रोता परीक्षित जैसा अधिकारी हो तो मुक्ति मिल जाती है।

कथा महिमा का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि भागवत कथा का आनन्द ब्रम्हानन्द से भी श्रेष्ठ है। योगी तो केवल अपना उद्धार करता है किन्तु सतसंगी साथ में आये सभी का उद्धार करते हैं। महात्मा जी ने देवर्षि नारद की वृन्दावन में भक्ति से भेंट, भक्ति का दुःख दूर करने के लिये नारद जी का उद्योग , भक्ति के कष्ट की निवृत्ति सहित अनेक प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने महर्षि व्यास के भागवत रचना के परम और मंगलकारी उद्देश्य पर प्रकाश डाला। गोपाल शर्मा, लक्ष्मण, आशीष ने भक्ति गीतों से वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया।

श्रीमद्भागवत कथा के क्रम में मुख्य यजमान कर्नल के.सी. मिश्र, राजेश्वरी मिश्रा ने विधि विधान से व्यास पीठ का पूजन अर्चन किया। मुख्य रूप से अखिलेश दूबे, कृष्ण कुमार पाण्डेय, आर.के. शुक्ल, सुशील मिश्र, आर.के. शुक्ल, आर.के. त्रिपाठी, कुसुम मिश्रा, अनुराधा पाण्डेय, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मोहद्दीपुर सड़क हादसाःसांसद रवि किशन ने परिजनों से की मुलाकात, कहा–हम हर सम्भव मदद के लिए तैयार

संवाददाता–गोरखपुर। सांसद रवि किशन शुक्ला ने रविवार को मोहद्दीपुर निवासी विक्रांत सिंह के परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। परिवार को ढांढस बंधाते हुए उन्होंने कहा, ह्स कठिन समय में मैं और हमारी सरकार आपके साथ खड़े हैं। हर प्रकार की सहायता और आवश्यकता, मैं हर संभव मदद करूंगा।

मोहद्दीपुर में 6 दिसंबर की रात हुए भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य

शामिल थे। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को शोक में डाल दिया है। गोरखपुर के सांसद रवि किशन शुक्ला ने रविवार को मोहद्दीपुर निवासी विक्रांत सिंह के परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। परिवार को ढांढस बंधाते हुए उन्होंने कहा, ह्स कठिन समय में मैं और हमारी सरकार आपके साथ खड़े हैं। हर प्रकार की सहायता और आवश्यकता, मैं हर संभव मदद करूंगा। सांसद ने आश्वासन दिया कि मृतकों के परिवार को सरकार की ओर से हर संभव आर्थिक और सामाजिक मदद दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि परिवार को सभी प्रकार की सहायता समय पर और पूरी तरह से मिले।

इसके साथ ही सांसद रवि किशन ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती घायलों, विशेषकर एक बच्चे और महिला के इलाज के लिए सक्रियता दिखाई। उन्होंने चिकित्सकों से वार्ता की और घायलों के इलाज के लिए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा, श्घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की आवश्यकता है यदि तो मुझे तुरंत सूचित करें।श

रवि किशन ने घायल बच्चे और महिला के इलाज के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया और कहा कि उनका स्वास्थ्य प्राथमिकता है। उन्होंने चिकित्सकों से यह भी कहा कि इलाज में उच्चतम मानकों का पालन किया जाए।

चालान से सावधान ड्राइवर का डीएल ही नहीं, 21 वाहनों का चालान

संवाददाता–गोरखपुर। पुलिस अब ट्रैफिक नियम तोड़ने का रिकॉर्ड बनाने वाले ड्राइवरों का सिर्फ ड्राइविंग लाइसेंस ही नहीं रद्द करेगी बल्कि उन गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन भी कैंसिल करवाएगी। गोरखपुर में 21 वाहनों का आरसी कैंसिल करने के लिए पुलिस ने आरटीओ को चिट्ठी लिखी है। ट्रैफिक नियमों को तोड़ने का रिकॉर्ड तोड़ने वाले सावधान हो जाएं! आपने आदत नहीं सुधारी तो ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) के साथ–साथ गाड़ी का रजिस्ट्रेशन (आरसी) भी रद्द कर दिया जाएगा। ऊपर से जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है। गोरखपुर में पुलिस ने 21 ऐसे वाहन चिह्नित किए हैं जिनसे 12 या उससे अधिक बार ट्रैफिक नियम तोड़ा गया है। दो स्कूटी सवार तो ऐसे मिले जिन्होंने ट्रैफिक नियम तोड़ने का रिकॉर्ड बना रखा है। अब तक एक का 89 बार जबकि दूसरे का 80 बार चालान कट चुका है। इन वाहनों में स्कूटी से लेकर बस तक शामिल हैं। ट्रैफिक पुलिस की तरफ से इन सभी वाहनों का रजिस्ट्रेशन और वाहन मालिकों और चालकों का डीएल कैंसिल करने के लिए आरटीओ को पत्र भेजा गया है। पत्र में यह बताया गया है कि अब तक इन 21 वाहनों के स्वामीध्चालक द्वारा बार–बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। कई बार इनका चालान किया गया है। फिर भी इनमें सुधार नहीं दिख रहा है। पुलिस ने ऐसे वाहनों के रजिस्ट्रेशनध्परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस के निरस्तीकरण की कार्रवाई का आग्रह किया है। पुलिस ने परिवहन विभाग को उन वाहनों की डिटेल और अब तक कितनी बार चालान किया गया है, इसकी जानकारी भी दी है। ट्रैफिक पुलिस के पत्र में दर्ज 21 वाहनों में चार ऑटो हैं। इनमें एक ऑटो का 69 बार चालान हुआ है। दूसरे का 18 तो बाकी दो ऑटो का 12–12 बार और एक ई रिक्शा का 13 बार चालान हुआ है। पांच बसों का 28 से लेकर 56 बार तक चालान हुआ है। दो कारों का 18–18 बार और एक का 16 बार चालान हुआ है। स्कूटी सवार नियम तोड़ने में सबसे आगे हैं। दो स्कूटियों में एक का 89 तो दूसरे का 80 बार चालान हुआ है। पांच मोटरसाइकिलों का 18 से 66 बार चालान हुआ है।

अदालती नोटिस

जो0च0 आकार पत्र 6–क [(नियम–26 (3)]

नोटिस

[धारा –9 क (2) के अधीन]

बाबत मौजा फरदहा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला संतकबीर नगर

पुस्तक संख्या. नियम 109

कम संख्या.....

वाद संख्या 9030

न्यायालय– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी महोदय मेंहदावल जिला संतकबीर नगर

जोखन आदि बनाम

ग्रामसभा

1. मोहम्मद हुसेन 2. मो0 अजीज 3. मो. साजिद 4. मो. इजहार 5. बहाउद्दीन पुत्रगण मोहम्मद अफसर 6. मो0 अकरम हुसेन 7. कमरुद्दीन पुत्रगण अब्दुल रहमान 8. मो. इस्माइल पुत्र जोखन प्रतिवादीगण साकिन मौजा फरदहा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला संतकबीर नगर

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे सामने भूमि के सम्बन्ध में अधिकार और दायित्व संयुक्त दोनों का विभाजन और गाटों, पेड़ो, कूंओ तथा अन्य समुन्नित्यों के मूल्य का अवधारण करने के लिये एक वाद रजिस्टर तैयार किया गया है। आपको एतद् द्वारा आदेश दिया जाता है कि 12–12–2024 को में 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या यथावत अधिकृत अभिकर्ता द्वारा उपस्थित हो। यदि आप उपस्थित न होंगे तो विवाद आपकी अनुपस्थिति में निर्णीत कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और कार्यालय के मुहर से दिनांक 21.11.2024 को जारी किया गया।

चकबन्दी अधिकारी

मेंहदावल

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनकिसात मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

नम्बर मुकदमा–

कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या टी.202417650305245

मुकदमा अर्न्तगत धारा 116 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल जनपद संतकबीर नगर

स्नेहलता

बनाम

अवधेश राय आदि

1. अवधेश राय 2. शैलेश राय 3. सुरेश राय पुत्रगण कुसमुख राय साकिनान लोहरसन तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर

(प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग)

4. जगदीश राय पुत्र विश्वम्भर राय 5. शिवराम राय 6. रमाकान्त राय 7. लक्ष्मीकान्त राय पुत्रगण दीनानाथ राय साकिनान लोहरसन तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर 8. श्रीमती ललिताराय पत्नी दीनानाथ राय 9. श्रीमती कुमुद राय पत्नी चन्द्रभाल राय 10. देशव्रत राय पुत्र चन्द्रभाल राय साकिनान लोहरसन तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर

(प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग)

11. सकीना खात्ून पत्नी मजीबुर्रहमान 12. श्रीमती सकरुन्निशां पत्नी अब्दुल वहाव 13. मदरसा खदीज तूल कुबरा मुतव्वल्ली मो0 अली फैजी मो0 चौधरी नाजिम मो0 अली सल्फी अकबर अली करनलोत संतकबीर नगर साकिनान लोहरसन तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर 14. शोहरत अली पुत्र गुलहसन 15. यार मोहम्मद पुत्र कतारू 16. अनारूल हक पुत्र अकबर अली 17. तवारक हुसेन पुत्र मो. युसुफ साकिन करनजोत तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर 18. मो. अमीन पुत्र नवीउल्लाह उर्फ नेबुल 19. अख्तर हुसेन पुत्र अब्दुल हसन 20. जुबेर अहमद पुत्र वसीउल्लाह 21. मुस्तफा पुत्र कुरबान 22. शकील अहमद पुत्र फकरुल हसन 23. श्रीमती गूना पत्नी फकरुल हसन 24. मुबारक हुसेन पुत्र मो0 युसुफ 25. मो. यासीन पुत्र नवीउल्लाह 26. मो. युनुस पुत्र नवीउल्लाह 28. अब्दुल वफा पुत्र अबुल हसन 29. हसयतुन्निशां पत्नी अब्दुल हसन 30. शमसुददीन पुत्र कुरबान 31. अनवर हुसेन पुत्र याकूब 32. अफजल हुसेन 33. अशरफ हुसेन पुत्रगण याकूब 34. अब्दुल रसीद पुत्र फकरुल हसन 35. इस्माइल 36. मनौव्वर 37. तसौव्वर हसन 38. इरशाद अहमद पुत्रगण फकरुल हसन 39. अब्बास अली पुत्र सुकरुल्लाह 40. श्रीमती ईर्सुन्निशां पत्नी अब्दुल समद साकिन करनजोत तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर

(प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग)

41. ग्राम पंचायत अध्यक्ष जरिये ग्राम प्रधान करनजोत तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर

(प्रतिवादीगण चतुर्थ वर्ग)

तारीख पेशी 27–12–2024

वाजेह हो कि जर्नादन ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 27 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुछ उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सिख समाज सीएम योगी का आभारी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि गोरखपुर पहुंचने के बाद पहले वह गोरखनाथ मंदिर गए। सीएम योगी आदित्यनाथ का जिक्र करते हुए कहा कि चुनाव के समय लुधियाना में योगी जी ने कहा था कि हमारी और सिख समाज की गुरु परंपरा एक जैसी है। योगी जी ने ननकाना साहब तक दर्शन की सुविधा दिए जाने की जो बात उठाई है, उसके लिए पूरा सिख समाज उनका आभारी है। बहुप्रतीक्षित भीमापार अंडरपास के शिलान्यास समारोह में रविवार को दोपहर 12 बजे ही भाजपा और सहयोगी दलों के नेताओं के साथ बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए थे। सबसे पहले विधि विधान से शिलान्यास कार्यक्रम हुआ। मंच पर पहुंचने के बाद भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों के अलावा गुरुद्वारा समिति के लोगों ने रेल राज्य मंत्री का माला पहना कर स्वागत किया।

सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि आज का दिन जिले के लिए ऐतिहासिक है। केंद्र मे तीसरी बार मोदी सरकार बने छह माह हो गए हैं। इतने दिनों में रेल राज्य मंत्री का यूपी में यह पहला सरकारी दौरा है, यह जनपद वासियों के लिए गर्व की बात है। रवनीत सिंह बिट्टू की कुशलता से रेलवे का तो विकास होगा ही, आने वाले दिनों में पंजाब में भाजपा की सरकार भी बनेगी।

कपिलवस्तु विधायक श्यामबनी राही ने कहा कि मोदी–योगी सरकार में देश और प्रदेश का चौमुखी विकास हो रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत पवन पांडेय ने गणेश वंदना से की और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, शिवनाथ चौधरी, फतेह बहादुर सिंह, राम करन गुप्ता, सुजीत जायसवाल, राघवेंद्र पांडेय, मनोज मौर्या, रिंकू पाल, मनोज चौबे के अलावा पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

तुलसिपापुर। बढ़नी में आयोजित कोचिंग डिपो के लोकार्पण के मौके पर सिख समाज के बच्चों ने रेल राज्य मंत्री से अमृतसर के लिए ट्रेन चलाने की मांग की। बच्चों ने अपनी मांग से संबंधित चार्ट भी सौंपा। मुलाकात के दौरान बच्चों को दुलारते हुए रेल राज्य मंत्री ने उन्हें मांगों पर विचार का आश्वासन दिया।

अभियान चलाकर सड़क के किनारे से हटवाया गया अतिक्रमण

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिला मुख्यालय खलीलाबाद में राजस्व, पुलिस व नगर पालिका की संयुक्त टीम ने विशेष अभियान चलाया। सड़क के किनारे से अतिक्रमण हटवाया गया।

उपजिलाधिकारी खलीलाबाद शैलेष दूबे, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अजीत चौहान, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली खलीलाबाद सतीश कुमार सिंह व अधिशाषी अधिकारी अवधेश कुमार भारती की संयुक्त टीम ने मेंहदावल बाईपास चौराहे से अभियान शुरू किया। मेंहदावल रोड पर पीडब्लूडी कार्यालय तक व मेंहदावल बाईपास चौराहे से मधुकुन्ज तक फुटपाथ के किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेले, दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से दुकान के आगे बढ़ाकर लगाने वालों के अतिक्रमण को हटवाया गया। नगर पालिका की टीम द्वारा फुटपाथ के किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेले व दुकानदारों को नोटिस व हिदायत दी गई। साथ ही यातायात पुलिस की मदद से अनियमित तरीके से किए गए वाहन पार्किंग, वाहन स्टैण्ड द्वारा किये गए अतिक्रमण को हटाया गया।

बीडीओ को ज्ञापन सौंप समस्या समाधान की मांग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भाकियू अंबावता के ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञानदास लोधी ने सोमवार को ने बीडीओ विजय सिंह को ज्ञापन सौंप समस्या समाधान की मांग की। उन्होंने कहा कि वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन पात्रता के आधार पर लगाया जाए। 2015 से अभी तक कितने बोरिंग पाइप वितरित किए गए उसकी सूची उपलब्ध कराई जाए। बहरूल उलूम स्कूल से ढूढनी गांव तक इंटरलॉकिंग कराई जाए। कृषि गोदाम से वितरित कीटनाशक दवाओं की सूची उपलब्ध कराई जाए, ग्राम पंचायत सचिव विशाल सोनकर का एक वर्ष के आय व्यय का ब्योरा दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो धरना देंगे।

मांगों को लेकर शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोंडा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) की प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर सोमवार को शिक्षकों की समस्याओं को लेकर सीएम से संबोधित ज्ञापन डॉ. रामचन्द्र को सौंपा है। जिलाध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि संघ की शैक्षिक संगोष्ठी एवं प्रांतीय अधिवेशन 12 और 13 दिसंबर को बस्ती जिले में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली, सेवा और सुरक्षा, पदोन्नति, सिटीजन चार्टर लागू करना, एनओसी रहित ऑनलाइन स्थानांतरण, वित्तविहीन शिक्षकों की सेवा सहित अन्य मुद्दों को गोष्ठी में शामिल करने की मांग हुई है। जिला महामंत्री धर्मेंद्र यादव ने बताया कि बोर्ड परीक्षा की समय सारणी की विसंगतियां समाप्त की जाए। मंडलीय मंत्री अमित कुमार यादव ने डीआईओएस को शिक्षकों की स्थानीय समस्याओं के बारे में जानकारी देते हुए निस्तारण किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा न होने पर 10 फरवरी को शिक्षा निदेशालय के घेराव किया जाएगा। इस दौरान राजेश राणा, पीतांबर कुमार, सच्चिदानंद यादव, कर्ताराम वर्मा, महेंद्र मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

पुलिस की छापेमारी से ईंट भट्टा मालिको में हड़कम्प

संवाददाता–देवरिया। पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने तीन ईंट भट्टों पर छापामारी कर चार कुंतल लहन नष्ट कराया। इस दौरान 85 लीटर शराब के साथ सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई से ईंट भट्ठा मालिको में हड़कंप मचा रहा। तरकुलवा थाना क्षेत्र के वृंदावन, रति मठिया, कोहवलिया गांव के ईंट भट्टों पर थानाध्यक्ष मृत्युंजय राय व निरीक्षक सुधीर सिंह आबकारी विभाग के संयुक्त टीम ने रविवार की सुबह छापेमारी शुरू कर दी।

जिसको लेकर ईंट भट्ठा मालिकों में हड़कंप मच गया। वहीं मौके से प्रशासन ने कोहवलिया से तीन महिलाओं के पास से 30 लीटर, वृंदावन तीन लोगों के पास से 30 लीटर, वही रति मठिया एक व्यक्ति से 15 लीटर कच्ची दारू बरामद की जबकि मौके से 4 कुंतल लहन को नष्ट कराया। इस दौरान सात लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। थाना प्रभारी मृत्युंजय राय ने बताया कि 4 कुंतल लहन नष्ट कराया गया 85 लीटर कच्ची दारू के साथ सात लोगों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एक स्टेशन एक उत्पाद योजना को और प्रभावी बनाएं

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरक्षनाथ के पूजन के लिए आए केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू से रविवार को उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के अध्यक्ष चौधरी कैफुलवरा ने मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वोकल फॉर लोकल विजन को बढ़ावा देने, स्थानीय–स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने और समाज के वंचित वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से संचालित एक स्टेशन एक उत्पाद योजना की सराहना की।

इसके साथ ही मांग किया कि रेलवे स्टेशनों पर बिक्री आउटलेट के प्रावधान के माध्यम से बुनकरों और हथकरघा बुनकरों को अगल से स्थान मुहैया किया जाए। इसके लिए उन्होंने गोरखपुर, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर सरीखे स्टेशनों पर ज्यादा जोर देने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि ओएसओपी के जरिए स्थानीय कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों, हथकरघा बुनकरों, शिल्पकारों आजीविका के लिए बेहतर अवसर मिल रहा है लेकिन इसे और प्रभावी ढंग से लागू कराया जाए। जहां बिक्री अच्छी है वहां और ज्यादा स्टॉल उपलब्ध कराया जाए। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत बिट्टू ने सुझाव के लिए चौधरी कैफुलवरा का आभार जताया। आश्वस्त किया कि जल्द ही इस दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, स्केटर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com